MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-07 ❖ मुंबई ❖ रविवार 05 से 11 फरवरी 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2021-2023

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

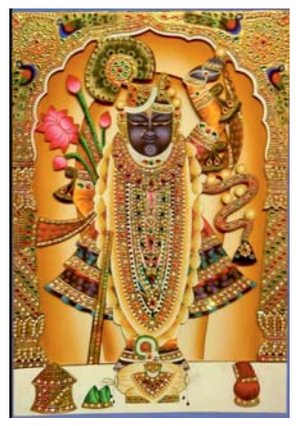

पेज 3

दिल्ली की तरह मुंबई में भी लगे एयर प्यूरीफायर

पेज 5

डॉ दलजीत कौर - एक बहुत उत्साही व्यक्तित्व संस्थापक अध्यक्ष - द अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लोबल पीस के आईएडब्ल्यूए एनजीओ एंबेसडर

पेज 7

कई मौको पर साथ स्पॉट हो चुके हैं सारा - शुभमन

पेज 8

ईडी ने मढ़ स्टूडियो मामले में मनपा से मांगी रिपोर्ट

एक नजर

आगरा-लखनऊ एक्स. पर भीषण हादसा, पांच मरे

उन्नाव। उन्नाव जिले के औरास थाना क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर दो कारों की टक्कर में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर गहरा दुख प्रकट करते हुए घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनका समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। औरास थाना क्षेत्र अंतर्गत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर संख्या-266 पर आगरा से लखनऊ की ओर आ रही एक कार अनियंत्रित होकर पलटती हुई दूसरी लेन पर पहुंच गई और लखनऊ की ओर से आ रही एक अन्य एसयूवी कार से जाकर सामने से टकरा गई।

एनआईए को 'ई-मेल' कर मुंबई पर हमले की दी धमकी

मुंबई। एनआईए को मिली एक 'ई-मेल' में दावा किया गया है कि तालिबान से संबद्ध एक व्यक्ति मुंबई में 'हमला' करने वाला है। एक अधिकारी ने बताया कि जांच एजेंसी के मुंबई कार्यालय को बृहस्पतिवार को यह धमकी भरा 'ई-मेल' मिला, जिसके बाद महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) और शहर की पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। पुलिस के अनुसार, 'सीआईए' वाले ईमेल आईडी से भेजे गए इस संदेश में भेजने वाले ने दावा किया है कि तालिबान से संबद्ध एक व्यक्ति शहर में हमला करेगा। अधिकारी ने कहा कि भेजने वाले का आईपी (इंटरनेट प्रोटोकॉल) पता पाकिस्तान का है।

इंजन में खराबी के बाद हवाई अड्डे लौटा विमान

नई दिल्ली। कोझिकोड जाने वाला एअर इंडिया एक्सप्रेस का एक विमान उड़ान भरते समय इंजन में आई खराबी के कारण शुक्रवार को तड़के अबू धाबी हवाई अड्डे पर लौट गया।

दो जोड़ी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें चलाएगी पश्चिम रेलवे

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा और उनकी मांग के मद्देनजर मुंबई सेंट्रल/उधना-भगत की कोठी और उधना/मुंबई सेंट्रल-हिसार स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है।

ट्रेन संख्या 09093/09094 मुंबई सेंट्रल-भगत की कोठी-उधना स्पेशल (6 फेरे) :

ट्रेन संख्या 09093 मुंबई सेंट्रल-भगत की कोठी स्पेशल प्रत्येक शनिवार को मुंबई सेंट्रल से 09.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 09.30 बजे भगत की कोठी पहुंचेगी। यह ट्रेन 4 से 18 फरवरी तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09094 भगत की कोठी-उधना स्पेशल प्रत्येक रविवार को भगत की कोठी से 12.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 07.00 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 5 से 19 फरवरी तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, ब्यावर, मारवाड़, पाली मारवाड़ और लूणी स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09093 बोरीवली और वापी स्टेशनों पर भी रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, शयनयान और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

बीएमसी ने मुंबई के लिए खोला खजाना पेश किया 52 हजार करोड़ का बजट

मुंबई: शनिवार सुबह कमिश्नर आई.एस.चहल ने देश की सबसे अमीर महानगरपालिका बीएमसी के वर्ष 2023-24 के बजट को पेश किया। इस बार बीएमसी का बजट 52.619.07 करोड़ का है। जबकि पिछली बार यह बजट 45 हजार करोड़ का था। इस बजट में सौंदर्यीकरण, प्रदूषण, पर्यावरण, ब्रिज, आधुनिक हॉस्पिटल, रोड, एसटीपी प्रोजेकट, मियावाकी वन योजना, उद्यान और पर्यटन स्थलों के विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। बीएमसी मुंबईकरों के लिए के मूलभूत सुविधाएं जैसे पानी, सड़क, साफ-सफाई की व्यवस्था करती है। साथ ही स्वास्थ्य, परिवहन, ब्रिज, फ्लाइओवर, टूरिज्म, शिक्षा और गॉर्डन जैसी सुविधा भी उपलब्ध कराती है। इस पर खर्च के लिए बीएमसी के वार्षिक बजट में प्रावधान होता है। इस बार के बजट में चुनाव के मद्देनजर मुंबईकरों को लुभाने के लिए कुछ करों में छूट मिलने की उम्मीद है।फ़िलहाल कमिश्नर ने बजट पढ़ने की शुरुआत की है। पिछले बजट में फिक्स डिपॉजिट को तोड़ कर विकास कार्यों पर पैसा खर्च किया गया था। बीएमसी के पास फिलहाल लगभग 1 लाख करोड़ का फिक्स डिपॉजिट है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के ड्रीम प्रॉजेक्ट मुंबई के सौंदर्यीकरण के लिए क्या चहल फिक्स डिपॉजिट तोड़ेंगे, यह देखने वाली बात होगी।

बीएमसी बजट की खास बातें

1)बीएमसी द्वारा मुंबईकरों को 52 हजार करोड़ की सौगात दी गई है। पिछली बार यह बजट 45 हजार करोड़ का था। इस बार पेश हुए बजट में बीते साल के मुकाबले 6,670 करोड़ रुपए ज्यादा आवंटित किये गए। जो 14.52 प्रतिशत अधिक है। बीते वर्ष का बजट 45,949 करोड़ का बजट पेश किया गया था जबकि इस बार बजट में 6670 करोड़ रुपये बढाए गए हैं। 31 मार्च 2023 तक 18 अतिरिक्त पॉलीक्लीनिक व डायग्नोस्टिक सेंटर। साथ ही 131 ' हिंदुहृदय बाला साहेब ठाकरे - आपला दवाखाना ' शुरू किया जाएगा। मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करने के लिए बीएमसी की तरफ से 7 योजनाएं बनाई गयी हैं। इस बार बीएमसी अपने 52 % रेवेन्यू को विकास कार्यों पर खर्च करेगी। बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए डेढ़ सौ करोड़ रुपए की निधि आवंटित की गई है। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए बीएमसी ने सात योजनाएं बनाई हैं जिन पर अमल किया जाएगा। मुंबई शहर के ब्यूटीफिकेशन के लिए 1729 करोड़ रुपए का फंड दिया गया है। 3)मुंबई शहर में रिनोवेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 27247.80 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। जिसमें से कोस्टल रोड, सड़कों का सीमेंटीकरण, वाटर और सीवरेज टनल, मीठी नदी प्रोजेक्ट, बीएमसी के अस्पतालों का विकास साथ ही गोरेगांव मुलुंड लिंक रोड, एसटीपी प्रोजेक्ट के अलावा आश्रय योजना पर इस निधि को खर्च किया जाएगा।

एकनाथ शिंदे का टेंशन, विदर्भ में फिर मजबूत हो रही कांग्रेस, नाना पटोले ने राहुल गांधी को दिया क्रेडिट

मुंबई: महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव में बीजेपी को करारा झटका लगा है। नागपुर, अमरावती और औरंगाबाद सीट पर बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस ने नागपुर और अमरावती पर जीत का झंडा गाड़ दिया है, जबकि औरंगाबाद सीट एनसीपी के खाते में चली गई।

पांच में से महज एक सीट जीतने के कारण मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे टेंशन में हैं। वहीं कांग्रेस की बांछें खिल गई हैं। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले ने दावा करते हुए कहा कि यह जीत बताती है कि कांग्रेस विदर्भ में एक बार फिर मजबूत हो रही है। पटोले ने कांग्रेस की जीत का क्रेडिट पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड सांसद राहुल गांधी को दिया।

कांग्रेस के जीत के मायने क्या?

कांग्रेस के लिए एमएलसी चुनाव में मिली जीत न केवल मनोबल बढ़ाने के लिए बहुत जरूरी है, बल्कि उम्मीदवारों के चयन को लेकर चुनाव पूर्व की परेशानियों को दूर करने का एक अवसर भी है। विदर्भ राज्य के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद से कांग्रेस को उत्साहजनक रिजल्ट दिए हैं। इससे साफ संकेत है कि कांग्रेस क्षेत्र में अपनी खोई हुई जमीन वापस पा सकती है। इसके अलावा कांग्रेस के भीतर अंदरूनी कलह के लिए जाना जाने वाला यह क्षेत्र चुनावों के समय एकजुट मोर्चे के तौर पर उभरने का गवाह बन रहा है।

कांग्रेस के जीत के मायने क्या?

कांग्रेस के लिए एमएलसी चुनाव में मिली जीत न केवल मनोबल बढ़ाने के लिए बहुत जरूरी है, बल्कि उम्मीदवारों के चयन को लेकर चुनाव पूर्व की परेशानियों को दूर करने का एक अवसर भी है। विदर्भ राज्य के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद से कांग्रेस को उत्साहजनक रिजल्ट दिए हैं। इससे साफ संकेत है कि कांग्रेस क्षेत्र में अपनी खोई हुई जमीन वापस पा सकती है। इसके अलावा कांग्रेस के भीतर अंदरूनी कलह के लिए जाना जाने वाला यह क्षेत्र चुनावों के समय एकजुट मोर्चे के तौर पर उभरने का गवाह बन रहा है।

विदर्भ के लोगों ने कांग्रेस का किया समर्थन: पटोले

पटोले ने कहा कि नागपुर, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गढ़ है, लेकिन इसी गढ़ में बीजेपी, पिछले साल कांग्रेस के खिलाफ स्नातक चुनाव हार गई थी। इसके अलावा कांग्रेस ने जिला परिषद चुनाव में भी जीत हासिल की थी। अब शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में भी कांग्रेस ने बीजेपी को हरा दिया है। पटोले ने कहा कि विदर्भ के लोगों ने हमेशा से कांग्रेस का समर्थन किया है।

विजय माल्या, नीरव मोदी और मैहुल चोकसी की तरह भाग जाएंगे गौतम अडाणी..

कांग्रेस ने की पासपोर्ट जब्त करने की मांग

मुंबई: हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद विवाद में आए अडाणी समूह के खिलाफ अब कांग्रेस ने भी मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष भाई जगताप ने कहा कि उन्हें डर है कि कहीं विजय माल्या, नीरव मोदी और मैहुल चोकसी की तरह गौतम अडाणी भी देश छोड़कर न भाग जाए, इसलिए केंद्र की मोदी सरकार को तत्काल प्रभाव से गौतम अडाणी और उनके परिवार तथा कंपनी के महत्वपूर्ण लोगों के पासपोर्ट जब्त कर लेना चाहिए। जगताप मुंबई कांग्रेस मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि गौतम अडाणी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करीबी माना जाता है और यही वजह है कि वह 10 साल में अरबपति बन गए। भारत के अधिकांश हवाई अड्डे, रेलवे, बंदरगाह, खदानें उन्हें सौंप दी गईं है। इतना बड़ा वित्तीय घोटाला होने के बावजूद नरेंद्र मोदी, अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, सेबी और आरबीआई के अधिकारी इस बारे में एक शब्द नहीं बोल रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि अडाणी के अनाचार से देश के लाखों निवेशक बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। देश के प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री की अडाणी से दोस्ती, देश की स्थिरता के लिए वित्तीय समस्याएं पैदा कर रही है। वित्त मंत्री ने बजट पेश करते हुए इस घोटाले का कोई जिक्र नहीं किया। अडाणी के इस वित्तीय घोटाले से हमेशा मुनाफे में रहने वाली एलआईसी भी अब घाटे में है।

महाराष्ट्र MLC चुनाव ने बढ़ाई बीजेपी की मुश्किलें

पांच में से तीन पर मिली शिकस्त, आत्मचिंतन पर मजबूर

मुंबई: विधान परिषद में पांच सीटों पर आए चुनाव नतीजों ने बीजेपी की परेशानी बढ़ा दी है। नागपुर, अमरावती और औरंगाबाद सीट पर बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस ने नागपुर और अमरावती पर जीत का झंडा गाढ़ा, जबकि औरंगाबाद सीट एनसीपी के खाते में गई। कोकण ने बीजेपी ने लाज बचा ली। नासिक में कांग्रेस के बागी सत्यजीत तांबे ने जीत का झंडा फहराकर सभी का ध्यान खींचा है। चुनाव में कांग्रेस ने दो, बीजेपी, एनसीपी एक-एक और एक निर्दलीय विजयी रहा। गौरतलब है कि महाराष्ट्र की नासिक और अमरावती की स्नातक सीट और औरंगाबाद, नागपुर, कोकण शिक्षक सीट के लिए 30 जनवरी को मतदान हुआ था। गुरुवार की सुबह मतगणना शुरू हुई और शुक्रवार की सुबह जाकर पूरी हुई। अमरावती स्नातक सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज कर बीजेपी को जोर का झटका दिया है। यहां से उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी व पूर्व राज्यमंत्री डॉ. रणजीत पाटील को हार का सामना करना पड़ा, जबकि बीजेपी को डॉ. पाटील के जीत का शत-प्रतिशत भरोसा था। महा विकास आघाडी (कांग्रेस) के धीरज लिंगाडे ने जीतकर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और फडणवीस के उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इसी तरह से नागपुर शिक्षक सीट पर बीजेपी ने नागोराव गाणार को समर्थन दिया और कांग्रेस ने सुधाकर आडबाले को उतारा था। नागपुर को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उप मुख्यमंत्री फडणवीस का गढ़ माना जाता है और प्रदेश अध्यक्ष बावनकुले वहीं से आते हैं। आडबाले ने बीजेपी समर्थित उम्मीदवार का विकेट लेकर इन तीनों को जोर का झटका दिया है।

23 साल के चोर के पास से साढ़े सात लाख की 15 स्कूटी जब्त

मुंबई पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर

मुंबई: देश की आर्थिक राजधानी के मुलुंड इलाके में मुंबई पुलिस (Mumbai Police) को स्कूटी और बाइक चोरी होने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। बढ़ती शिकायतों के मद्देनजर जोन-7 के डीसीपी पुरुषोत्तम कराड की देखरेख में पुलिस की एक टीम का गठन किया गया और बाइक चोर गैंग (Mumbai Bike Theft Case) की तलाश शुरू हुई। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी और मुखबिरों के माध्यम से अपनी जांच को आगे बढ़ाया। इसी बीच में पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर गौरंग आनंद नाम के एक 23 साल के युवक को गिरफ्तार किया। इस अपराधी को देखकर यह कहना मुश्किल था कि यह बाइक चोरी जैसी वारदात में शामिल होगा। हालांकि, जब पुलिस ने इससे कड़ाई से पूछताछ की तो वह भी दंग रह गए। पुलिस ने आरोपी के पास से 15 स्कूटी जब्त की है। आरोपी गौरंग आनंद चौधरी ने पुलिस को बताया कि उसने कई बार चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरी वह बड़े ही शातिर तरीके से करता था ताकि वह पुलिस की गिरफ्त में न आ पाए। पुलिस की पूछताछ में गौरंग आनंद ने बताया कि जिस स्कूटी पर उसकी नजर होती थी वह उसके मालिक पर निगरानी रखता था। जैसे ही मालिक स्कूटी से दूर जाता था वह स्कूटी लेकर फरार हो जाता था।

बॉडी बिल्डिंग एक सेक्युलर और न्यूट्रल एक्टिविटी, उद्धव गुट की याचिका पर बॉम्बे हाई कोर्ट का अहम फैसला

मुंबई: उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला दिया है। अदालत ने कहा कि बॉडी बिल्डिंग एक सेक्युलर और न्यूट्रल एक्टिविटी है। जिसकी वजह से जन सामान्य और समाज को काफी फायदा होता है। ऐसे में कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका द्वारा उद्धव गुट की अर्जी को नामंजूर करने के आदेश को खारिज किया जाता है। दरअसल कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका ने 17 जनवरी को उद्धव गुट की एक अर्जी को यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि राज्य में एमएलसी चुनाव होने हैं। ऐसे में आचार संहिता का उल्लंघन होगा। यह याचिका उद्धव ठाकरे गुट के कार्यकर्ता विजय साल्वी द्वारा दायर की गई थी। जिस पर अदालत ने यह फैसला सुनाया है। बुधवार को इस फैसले की कॉपी को अपलोड किया गया था। जिसमें बताया गया है कि कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका द्वारा रद्द की गई इजाजत वैध नहीं है। इसका किसी भी तरह से आचार संहिता के विपरीत कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता एक खेल है, जिसको लोग पसंद करते हैं और उनकी भावनाएं उस खेल से जुड़ी हुई हैं। फिलहाल बॉडी बिल्डिंग कंपटीशन और एमएलसी चुनाव दोनों खत्म हो चुके हैं। अदालत ने कहा कि बॉडी बिल्डिंग एक ऐसा खेल है जिसके जरिए लोग एक दूसरे से मिलते हैं। इस खेल से पॉजिटिविटी आती है, लोग अपनी सेहत के प्रति जागरूक होते हैं। उनकी शारीरिक क्षमता बढ़ती है, उनमें ऊर्जा का संचार होता है। इस खेल को जाति, धर्म, संप्रदाय या किसी राजनीतिक पार्टी से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। यह एक से सेक्युलर और न्यूट्रल एक्टिविटी है जो समाज में एक अच्छा संदेश देती है। हाई कोर्ट के जज सुनील शुकरे और एम डब्ल्यू चंदवानी ने माना कि उद्धव ठाकरे गुट द्वारा दायर की गई याचिका सही है और बॉडीबिल्डिंग कंपटीशन को रोका नहीं जाना जा सकता। आचार संहिता राजनीतिक पार्टियों और उनके प्रत्याशियों द्वारा आंतरिक मतभेद और वैमनस्य फैलाए जाने से रोकने के लिए है। बॉडी बिल्डिंग जैसे खेल के लिए नहीं।

जेल नहीं, बेल पर जोर

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत के बाद होने वाली रिहाई में देरी को लेकर नई गाइडलाइंस जारी की है। अब जमानत के आदेश के बाद जल्द से जल्द बेल दी जाएगी। कागजी कार्यवाही में वक्त जाया नहीं किया जाएगा। जमानत के बाद रिहाई में होने वाली देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो गाइडलाइंस जारी की है, उसकी बड़ी शिद्दत से जरूरत महसूस की जा रही थी। न्याय प्रशासन और जेल प्रशासन अपनी पुरानी रीतियों से इस कदर बंधा चल रहा था कि आज की उन्नत तकनीक के युग में उसकी कई बातें हास्यास्पद लगती थीं। उदाहरण के लिए अदालत से जमानत का आदेश हो जाने के बाद भी बहुतों की रिहाई सिर्फ इसलिए टल जाती थी क्योंकि तय समय तक उस आदेश की कॉपी जेल प्रशासन को नहीं मिलती थी। इस तरह के नियमों और तय प्रक्रियाओं का कैसा असर विक्टिम को झेलना पड़ता है इसका एक ज्वलंत उदाहरण पत्रकार सिद्दीक कप्पन के बहुचर्चित मामले में देखने को मिला है। कप्पन पर आरोप चाहे जो भी हों, यह तथ्य तो अपनी जगह है ही कि उन्हें यूएपीए मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर में और पीएमएलए केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिसंबर में जमानत दे दी थी। बावजूद इसके, इन्हीं प्रक्रियागत कारणों से उनकी रिहाई टलती रही। आखिरकार इस सप्ताह गुरुवार को वह जेल से बाहर आए।

ताजा गाइडलाइंस में सुप्रीम कोर्ट ने ठीक ही आदेश दिया है कि जमानत आदेश होते ही उसकी सॉफ्ट कॉपी जेल प्रशासन को ईमेल से भेज दी जाए ताकि उसके पहुंचने के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े। इस गाइडलाइन के तमाम प्रावधान हाल के वर्षों में कई अलग-अलग मामलों में दिखे जुडिशरी के इस रुख के अनुरूप हैं कि बेल नियम होना चाहिए और जेल अपवाद। यह अलग बात है कि जुडिशरी के इस रुख पर व्यवहार में अमल कम ही हो पाता है। यही वजह है कि जेल में बहुत से आरोपी पांच-पांच और दस-दस साल से बगैर जमानत के पड़े हुए हैं। ध्यान रहे, देश भर में जेलों में बंद लोगों में 80 फीसदी विचाराधीन कैदी हैं यानी वे लोग जो अभी दोषी साबित नहीं हुए हैं, जिनके मामले अदालत में चल ही रहे हैं। और, अगर अदालतों में अपराध साबित होने की बात करें तो यूएपीए और पीएमएलए जैसे सख्त कानून तो छोड़िए आईपीसी के मामलों में भी इनका प्रतिशत बहुत कम है। हत्या के महज 42.4 फीसदी मामले अदालत में साबित होते हैं, रेप के 28.6 फीसदी और दंगों के मात्र 21.9 फीसदी। यह बात भी विभिन्न अध्ययनों से सामने आती रही है कि जेलों में बंद लोगों का बड़ा हिस्सा ऐसा होता है जो ढंग का वकील रखने या अपने हक की लड़ाई लड़ने में समर्थ नहीं होता। जाहिर है, ऐसे तमाम लोगों के लिए न्यायपालिका ही उम्मीद बन सकती है बशर्ते वह इस सिद्धांत पर सख्ती से अमल करे कि आरोप साबित होने से पहले हर कोई बेकसूर है।

अब तो सुधरे पाक

किरीट ए. चावड़ा

आतंकी संगठन के अंदर भी अलग-अलग गुट हैं जिनके मतभेद बेकाबू हो रहे हैं। संसद में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने माना कि पाकिस्तान को अपना घर ठीक करने की जरूरत है। उन्होंने यहां तक कह दिया कि हमने (पाकिस्तान ने) मुजाहिदीन बनाया, लेकिन वे आतंकवादी बन गए। पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को मस्जिद में हुआ फिदायीन हमला जितना गंभीर है, उस पर वहां देखी जा रही प्रतिक्रिया भी उतनी ही अहम और गौर करने लायक है। इसे सामान्य आतंकी हमला नहीं माना जा सकता। जिस तरह से पेशावर में पुलिस मुख्यालय के अंदर कड़ी सुरक्षा के घेरे में आने वाली मस्जिद तक पहुंचकर नमाज के दौरान आतंकवादी ने खुद को उड़ाया, वह इस हमले के पीछे गहरी तैयारी का संकेत है। मारे गए सौ से भी ज्यादा लोगों में 97 पुलिसकर्मी और ऑफिसर्स हैं। जाहिर है, इस हमले के जरिए पुलिसबल के मनोबल को तोड़ने की कोशिश थी। तहरीके तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) पिछले कुछ समय से पाकिस्तान में ऐसी आतंकी घटनाओं को अंजाम दे रहा है, इसलिए स्वाभाविक ही पहला शक उसी की तरफ गया।

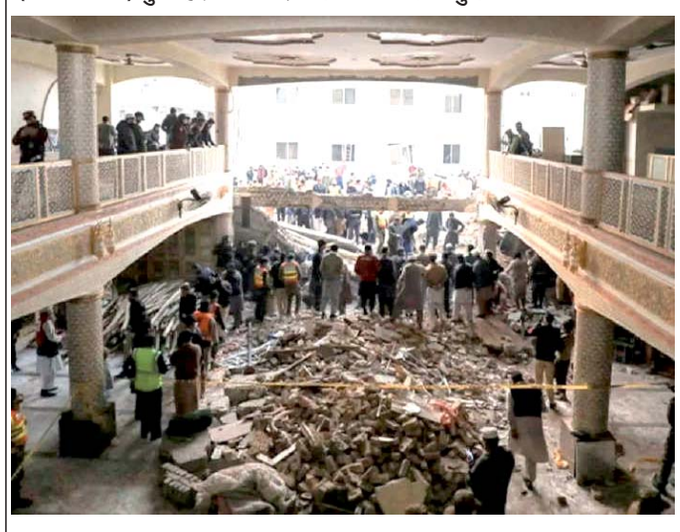

टीटीपी ने इस हमले की जिम्मदारी भी ली। उसके एक कमांडर ने बताया कि इस हमले का मकसद टीटीपी कमांडर उमर खालिद खुरासानी की मौत का बदला लेना था। मगर इसके बाद के एक दिलचस्प घटनाक्रम में टीटीपी के आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि मस्जिदों और अन्य धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना टीटीपी की नीति के खिलाफ है और जिन्होंने ऐसा किया है उनके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है।

यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि इस आतंकी संगठन के अंदर भी अलग-अलग गुट हैं जिनके मतभेद बेकाबू हो रहे हैं। मगर सबसे दिलचस्प है इस घटना के बाद पाकिस्तान सरकार की तरफ से आई प्रतिक्रिया। संसद में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने ठीक ही चिंता जताई कि नमाज पढ़ रहे या पूजा कर रहे लोगों पर हमला तो वैसे भी कहीं नहीं होता, लेकिन पाकिस्तान में अब यह भी होने लगा है। उन्होंने माना कि पाकिस्तान को अपना घर ठीक करने की जरूरत है। पाकिस्तान सरकार की पिछली नीतियों को दोष देते हुए उन्होंने यहां तक कह दिया कि हमने (पाकिस्तान ने) मुजाहिदीन बनाया, लेकिन वे आतंकवादी बन गए। संसद में दिए गए रक्षा मंत्री के इस बयान को किस हद तक पाकिस्तान सरकार की नीतियों का प्रमाण माना जा सकता है यह अभी साफ नहीं है, लेकिन अगर सचमुच यह पाकिस्तान सरकार के अंदर चल रहे आत्ममंथन का संकेत है तो अच्छी बात है। भारत बार-बार दोहराता रहा है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने की नीति पड़ोसी देश के लिए आत्मघाती है। पाकिस्तान को अपनी इस नीति का खामियाजा काफी पहले से भुगतना पड़ रहा है, लेकिन उसने यह बात कभी खुलकर मानी नहीं। देर से ही सही, पर अब भी अगर उसे इस बात का अहसास हो रहा है कि किसी भी नाम पर आतंकवाद को बढ़ावा देना उसकी गलती थी, तो यह बात उसके फैसलों और कार्यों में भी दिखनी चाहिए।

इकॉनमी की ड्राइविंग सीट पर आई सरकार

गणेश पाण्डेय

जैसा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वादा किया था, उनका पांचवां और मोदी सरकार का आखिरी पूर्ण बजट पिछले दो बजटों की निरंतरता को जारी रखता है। देर से ही सही, वित्त मंत्री ने सुस्त पड़ती अर्थव्यवस्था को गति देने में सार्व जनिक पूंजीगत व्यय की निर्णा यक भूमिका को माना है। वित्त मंत्री ने वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में पूंजीगत व्यय (केपेक्स) में पिछले साल की तरह एक बार फिर 33 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा करते हुए उसे 10 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव किया है। इस तरह सरकार एक बार फिर अर्थव्यवस्था की ड्राइविंग सीट पर आ गई है।

लेकिन यह फैसला उस नव-उदारवादी आर्थिक सैद्धांतिकी के उलट है, जो सरकार को अर्थव्यवस्था की ड्राइविंग सीट छोड़ने, उसकी भूमिका सीमित करने (न्यूनतम सरकार) और निजी क्षेत्र को कमान देने की वकालत करती रही है। यह किसी से छुपा नहीं है कि नव-उदारवादी आर्थिक सैद्धांतिकी पिछले कई दशकों हर रंग की सरकारों की आधिकारिक अर्थनीति रही है। हालांकि, वित्त मंत्री इसे स्वीकार नहीं करेंगीं, लेकिन उन्होंने मजबूरी में ही सही, एक हद तक इसके विपरीत जाने का साहस दिखाया है। पूंजीगत व्यय में भारी वृद्धि इस समय कई संकटों में फंसी वैश्विक अर्थव्यवस्था के असर से लड़खड़ाती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा सहारा है। इस सचाई को इस साल के आर्थिक सर्वेक्षण ने भी माना है।वित्त मंत्री निर्म लासीतारमण वैसे, वित्त मंत्री कुछ और महत्वाकांक्षी हो सकती थीं। वह चाहतीं तो पूंजीगत व्यय में जितना जोर फिजिकल (भौतिक) इन्फ्रास्ट्रक्चर खासकर सड़क और रेलवे आदि पर दिया गया है, उतना ही सामाजिक क्षेत्र के इन्फ्रास्ट्रक्चर यानी शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी दे सकती थीं। इसके साथ कृषि में भी पूंजीगत सार्व जनिकव्यय में भारी वृद्धि की जरूरत थी, जो एक बार फिर उपेक्षित रह गया। इसकी वजह यह है कि वह नव-उदारवादी आर्थिक सैद्धांतिकी के पैरोकारों खासकर वैश्विक रेटिंग एजेंसियों, विदेशी संस्थागत निवेशकों, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष को नाराज भी नहीं करना चाहतीं, जो सबसे ज्यादा जोर राजकोषीय घाटे को काबू में रखने पर देते रहे हैं।यही कारण है कि वित्त मंत्री ने राजकोषीय घाटे को काबू में रखने की प्राथमिकता को भी छोड़ा नहीं है। उन्होंने न सिर्फ चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को बजट अनुमान जीडीपी के 6.4 फीसदी के अंदर रखने का दावा किया है बल्कि अगले वित्तीय वर्ष में उसमें जीडीपी के 0.5 फीसदी की और कटौती करते हुए उसे 5.9 फीसदी तक लाने का एलान किया है। यह और बात है कि वह चालू वित्त वर्ष (2022-23) में बजट अनुमान की तुलना में संशोधित बजट अनुमान में 2.42 लाख करोड़ रूपये ज्यादा खर्चने के बावजूद राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 6.4 प्रतिशत तक रखने में इसलिए कामयाब हो पाईं क्योंकि नॉमिनल जीडीपी, मुद्रास्फीति में उछाल के कारण

संशोधित बजट में इस पर 89,400 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है, लेकिन अगले वित्त वर्ष के बजट में इसके लिए सिर्फ 60,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह चालू वित्त वर्ष के संशोधित बजट अनुमान की तुलना में 32.8 फीसदी कम है।

इसके दो कारण हो सकते हैं। पहला, सरकार को मनरेगा के तहत काम के मांग में कमी आने के संकेत मिल रहे हों। हालांकि, ऐसा होने की उम्मीद कम है क्योंकि एक तो ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमिकों की मजदूरी में वृद्धि नहीं हुई है और दूसरे, रोजगार के अवसर बढ़ने के भी संकेत नहीं हैं। इसके उलट जमीनी रिपोर्ट यह है कि मनरेगा के तहत काम की मांग के बावजूद सरकार न सिर्फ काम के अवसर नहीं मुहैया करा रही है बल्कि किए गए काम की मजदूरी देने में भी काफी देर कर रही है। दूसरा कारण यह हो सकता है कि वित्त मंत्री मनरेगा के बजट में लगभग 30 हजार करोड़ रुपये और ऐसी ही दूसरी स्कीमों के बजट में कटौती करके राजकोषीय घाटे को कम दिखाकर तात्कालिक रूप से नव-उदारवादी आर्थिकी के पैरोकारों की वाहवाही हासिल करना चाहती हों। ऐसी आर्थिक नीतियों के समर्थकों की मनरेगा और ऐसी ही दूसरी स्कीमों के प्रति चिढ़ किसी से छुपी नहीं है। कारण चाहे जो हों, लेकिन इससे उन ग्रामीण गरीब मजदूरों की मुश्किल बढ़ेगी, जिनके लिए रोजगार के बेहतर अवसरों की कमी और ग्रामीण मजदूरी में बढ़ोतरी न होने के बीच मनरेगा बड़ा सहारा बना रहा है।

ऐसे ही पीएम किसान सम्मान निधि के लिए बजट प्रावधान में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। यह हैरानी की बात है कि इस योजना के तहत सरकार ने वर्ष 2021-22 के बजट में कुल 66,825 करोड़ रुपये खर्च किए, जिसके आधार पर वित्त मंत्री ने चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान में 68,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। हालांकि, संशोधित बजट अनुमान के मुताबिक, खर्च सिर्फ 60,000 करोड़ रुपये किए। उम्मीद थी कि आसमान छूती महंगाई को देखते हुए वित्त मंत्री इस बजट में पीएम किसान सम्मान निधि में बढ़ोतरी की घोषणा करेंगी। लेकिन उन्होंने एक बार फिर सिर्फ 60,000 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है।यही हाल प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना का भी है, जिसके लिए चालू वित्त वर्ष में 10,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था, लेकिन संशोधित बजट अनुमान के मुताबिक, उसमें सिर्फ 8,270 करोड़ रुपये खर्च हुए और अगले वित्त वर्ष के बजट अनुमान में उसमें 59 फीसदी की कटौती करके सिर्फ 3,365 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

क्या भारत-पाक में हो सकता है परमाणु युद्ध?

भूपेन्द्र पटेल

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पॉम्पियो के दावे पर यकीन किया जाए तो दोनों देशों के बीच फरवरी, 2019 में परमाणु युद्ध छिड़ सकता था, जिसे रुकवाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। पिछले साढ़े तीन दशकों में अमेरिकी अधिकारियों ने ऐसा दावा चौथी बार किया है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण रिश्तों का यह डरावना पहलू है, जिस पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु सुरक्षा के ठेकेदारों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। परमाणु बम की ताकत हासिल कर पाकिस्तान ने भारत के साथ पिछले तीन दशकों से कम तीव्रता (लो इंटेंसिटी) वाला युद्ध छेड़ रखा है। इसी रणनीति के तहत पाकिस्तानी सेना ने पुलवामा में CRPF के 40 जवानों को शहीद किया तो गुस्साए भारत ने पाकिस्तान के भीतर बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकवादी शिविर पर हवाई हमला किया, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने भी भारतीय ठिकानों पर अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-16 से हमला किया।

दावों में दम

माइक पॉम्पियो का दावा हालिया प्रकाशित उनकी आत्मकथा 'नेवर गिव एन इंच: फाइटिंग फॉर एन अमेरिका आई लव' में सामने आया है, जिस पर भारत और पाकिस्तान ने कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि सामरिक पर्यवेक्षक इन दावों में दम मानते हैं।

दावे के मुताबिक फरवरी, 2019 में भारतीय वायुसेना की ओर से पाकिस्तान के बालाकोट आतंकवादी शिविर पर किए गए हवाई सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध छिड़ने की आशंका पैदा हो गई थी जिसे रुकवाने के लिए उन्होंने देर रात रावलपिंडी में जनरल कमर जावेद बाजवा को फोन किया था।

ताजा दावे से साफ है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कभी भी बड़े संघर्ष में बदल सकता है जो एक-दूसरे पर परमाणु हमले में भी तब्दील हो सकता है।

अमेरिकी अधिकारी परमाणु युद्ध रुकवाने में अपनी भूमिका का गर्व से बखान करते हैं, लेकिन क्या उन्हें नहीं पता कि दक्षिण एशिया में छिड़े इस परमाणु युद्ध की आंच अमेरिका तक भी जाएगी? ध्यान रहे, परमाणु अप्रसार संधि के प्रणेता अमेरिका ने इराक के कथित परमाणु बमों को नेस्तनाबूद करने के नाम पर उसके खिलाफ जिस तरह की कार्रवाई की, उससे कुछ कम तीव्रता वाली कार्रवाई भी तब पाकिस्तान के खिलाफ की गई होती तो आज दक्षिण एशिया परमाणु युद्ध के साये में नहीं जी रहा होता।

कई बार बिगड़े हालात

भारत और पाकिस्तान के बीच इसके पहले 1987, 1990 और 1999 में परमाणु युद्ध छिड़ने की नौबत आ गई थी। लेकिन अमेरिकी हस्तक्षेप से इसे रोक लिया गया।

1987 में भारतीय सेना ने ऑपरेशन ब्रासटैक्स नाम से एक बड़ा युद्धाभ्यास पाकिस्तान से लगी राजस्थान व पंजाब सीमा पर किया था, जिसमें मेन बैटल टैंकों और तोपों से लेकर अन्य सभी किस्मों के हथियारों के साथ 60 हजार से अधिक सैनिकों ने भाग लिया था।

जवाब में पाकिस्तानी सेना ने भी ऑपरेशन जर्ब-ए-मोमिन नाम का विशाल युद्धाभ्यास किया।

दोनों सेनाओं द्वारा इस तरह तलवारें भांजने से तनाव काफी बढ़ गया था। तब पाकिस्तान आधिकारिक तौर पर परमाणु संपन्न देश घोषित भी नहीं हुआ था, लेकिन माना जाता था कि भारत और पाकिस्तान दोनों ने परमाणु बम हासिल कर लिए हैं।

इसके तीन साल बाद 1990 में दूसरी बार भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा और दोनों देशों के बीच परमाणु युद्ध होने की आशंका अमेरिका ने जाहिर की। पत्रकार सेमूर हर्ष ने अमेरिकी खुफिया एजेंसी के उप-निदेशक रिचर्ड केर के हवाले से कहा था, 'दोनों देश एक दूसरे पर परमाणु बम चलाने के काफी नजदीक पहुंच गए थे। हालात काफी खतरनाक हो गए थे। इतने कि क्यूबा मिसाइल संकट से भी भयावह स्थिति लग रही थी।'

नौ साल बाद दोनों देशों के बीच फिर तनाव भड़का जब पाकिस्तानी सेना ने जिहादियों के भेष में सैकड़ों सैनिकों को भेजकर जम्मू-कश्मीर के करगिल में नियंत्रण रेखा पर स्थित पर्व तीय चोटियों पर चुपचाप डेरा जमा लिया था।

भारतीय सेना को जब इसका पता चला तो पाकिस्तानी सैनिकों के खिलाफ जवाबी सैन्य कार्रवाई की गई। इस दौरान पाकिस्तान और भारत की ओर से एक-दूसरे पर परमाणु बम चलाने की खुलेआम धमकियां दी जाने लगीं।

4 जुलाई, 1999 को अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पाकिस्तानी राष्ट्रपति नवाज शरीफ को आमंत्रित किया। वाजपेयी ने तो वॉशिंग्टन जाने से इनकार कर दिया, लेकिन वाइट हाउस पहुंचे नवाज शरीफ को दो टूक कहा गया कि करगिल की चोटियों से अपनी फौज जल्द से जल्द हटा ले।

तब प्रधानमंत्री वाजपेयी ने सेना को निर्देश दिया था कि किसी भी हालत में फौज को नियंत्रण रेखा पार नहीं करना है। पाकिस्तानी सेना के खिलाफ जो भी सैन्य कार्रवाई होनी है, वह भारतीय सीमा के अंदर रहकर ही होगी। यदि भारतीय सैनिक सीमा पार करते तो दोनों देशों के बीच पूर्ण स्तर का खुला युद्ध छिड़ जाता और इसके परमाणु युद्ध में तब्दील होने की आशंका अमेरिकी अधिकारियों ने जाहिर की थी।

प्रायोजित आतंकवाद

पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ प्रायोजित आतंकवाद की नीति पर चलते रहने से भारत के साथ अक्सर तनाव भड़क जाता है। भविष्य में भारत के किसी ठिकाने पर बड़ा आतंकवादी हमला भारतीय रक्षा कर्णधारों को पाकिस्तानी इलाके में जवाबी हमले के लिए उकसा सकता है। पाकिस्तान भी इसका जवाब देने को तैयार हुआ तो दोनों देशों के बीच परमाणु युद्ध होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। पारंपरिक युद्ध में भारत से हार का सामना करने के बाद शर्मिंदा पाकिस्तान परमाणु हमला करने से नहीं हिचकेगा। जवाब में भारत ने भी पाकिस्तान के इलाके पर परमाणु बम गिराया तो इससे अकल्पनीय तबाही पूरी पृथ्वी पर हो सकती है।

महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाए जाने की अटकलों पर अमरिंदर सिंह ने तोड़ी चुप्पी

राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित द्वारा पाकिस्तान की ओर से पंजाब में हो रही अवैध ड्रग्स (Illegal Drugs) की सप्लाई को राज्य के लिए एक गंभीर खतरा बताने और उस पर चिंता व्यक्त करने के एक दिन बाद पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह (Amarinder Singh) ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने समय-समय पर ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से हथियारों और ड्रग्स की डिलीवरी और इसके गंभीर प्रभाव के मुद्दे को उठाया है. बता दें कि राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने कहा था कि ड्रग्स स्कूलों में भी प्रवेश कर गया है. उन्होंने कहा कि इस खतरे की जांच के लिए भगवंत मान सरकार को यदि जरूरत हो तो केंद्र की मदद लेनी चाहिए. कैप्टन अमरिंदर सिंह ने मान सरकार पर साधा निशाना राज्यपाल के बयान को लेकर सवाल किए जाने पर बीजेपी नेता अमरिंदर सिंह ने कहा, "जब में मुख्यमंत्री था तब सीमा पार से एक ड्रोन आता था लेकिन अब हर दिन तीन ड्रोन आते हैं. ये ड्रोन यहां हथियार, जाली करेंसी, ड्रग्स छोड़ते हैं यह स्थिति ठीक नहीं है." उन्होंने दावा किया कि ये ड्रग्स, जाली करेंसी और हथियार उन लोगों तक पहुंचा दी जाती है जिन तक पाकिस्तान इन्हें पहुंचाना चाहता है और इसका मतलब है कि उग्रवाद का उदय. अमरिंदर सिंह हरियाणा भवन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ये बातें कहीं. 'मैंने इस समस्या से पीएम और गृह मंत्री को अवगत कराया था' बता दें कि कैप्टन अमरिंदर ने सितंबर 2021 में पंजाब के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देते हुए कांग्रेस छोड़ दी थी और बीजेपी में शामिल हो गए थे. कैप्टन सिंह ने कहा कि बतौर मुख्यमंत्री मैंने अपने कार्यकाल में इस बात से प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को अवगत कराया था और कहा था कि हमें इससे कड़ाई से निपटना होगा. महाराष्ट्र के राज्यपाल से जुड़े सवाल पर? इन अटकलों पर कि क्या वह महाराष्ट्र में राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी की जगह ले सकते हैं, कैप्टन सिंह ने कहा, "मुझे इसको लेकर फिलहाल कोई जानकारी नहीं है.किसी ने मुझसे संपर्क नहीं किया है. मैं इसके बारे में कुछ नहीं जानता." उन्होंने कहा कि मीडिया के जरिए ही मुझे ये सब बातें पता चल रही हैं. उन्होंने मीडियो पर निशाना साधते हुए कहा कि इससे पहले मीडिया में मुझे कभी हिमाचल और कभी बिहार भेजे जाने की खबरें आ रही थी. उन्होंने कहा कि मैंने पीएम नरेंद्र मोदी को साफ कर दिया है कि वे जैसा उचित समझें वहां मुझे भेज सकते हैं. वे मुझे जो जिम्मेदारी देंगे में उसे निभाऊंगा.

दिल्ली की तरह मुंबई में भी लगे एयर प्यूरीफायर

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का बीएमसी आयुक्त को निर्देश

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका का बजट शनिवार को पेश किया जाए, इस पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बीएमसी आयुक्त आईएस चहल को मुंबई शहर में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली, गुड़गांव और लखनऊ की तरह एयर प्यूरीफायर टावर लगाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही बजट में मधुमेह और उच्च रक्तदाब वाले नागरिकों की घर-घर जाकर जांच करने, महापालिका के स्कूलों में कौशल विकास केंद्र शुरू करने, महापालिका प्रशासन का कामकाज पारदर्शिता से करने और शहर के सौंदर्यीकरण के प्रावधान करने के निर्देश दिए हैं। शिंदे ने कहा कि बीएमसी का बजट तैयार करते हुए मुंबईकरों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए उन्हें सुशासन का अनुभव कराया जाए। इसके लिए विभिन्न मुद्दों और उपाय योजनाओं को शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि मुंबई में प्रदूषण नियंत्रण और हवा की गुणवत्ता नियंत्रित करने के लिए दिल्ली, गुड़गांव, लखनऊ की तरह मुंबई महानगर में एयर प्यूरीफायर टावर लगाए जाने चाहिए। इसके अलावा शहरी वनीकरण को बढ़ाने के उपाय भी किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने मुंबईकरों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने के लिए विशेष उपाय सुझाए हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई में लगभग 27 प्रतिशत नागरिक डायबिटीज और हाइपरटेंशन की बीमारी से ग्रस्त हैं। महापालिका के स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से घर-घर जाकर जांच कराई जाए और इसका डेटा तैयार किया जाए। इसके अलावा मुंबई महापालिका के अस्पतालों की ओपीडी में भारी भीड़ होती है। यह दवाब कम करने के लिए बाहरी मशीनरी की मदद से खिड़कियों की संख्या बढ़ाई जाए, साथ ही एमआरआई, सीटी स्कैन और डायग्नोस्टिक सेंटरों का विस्तार किया जाए तथा डायलिसिस सेंटर स्थापित किए जाए। शिंदे ने महापालिका के हर स्कूल में कक्षा नवीं और दसवीं के छात्रों के लिए कौशल्य विकास केंद्र शुरू करने और मुंबई पब्लिक स्कूल की बढ़ती मांग को देखते हुए इनकी संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि बीएमसी प्रशासन को यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि नागरिकों को सुशासन का अनुभव हो सके। पांच जगहों पर एयर प्यूरीफायर लगाने की तैयारी इधर बीएमसी ने शहर की हवा को शुद्ध करने के लिए 5 स्थानों पर एयर प्यूरीफायर (air purifiers) लगाने के कदम उठाए हैं। इसके लिए 10 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। एयर प्यूरीफायर टॉवर, दहिसर टोल नाका, मुलुंड चेकनाका, अमर महल जंक्शन, कलानगर जंक्शन और वर्ली जंक्शन पर लगाने की योजना है।

IRMS में भर्ती सिविल सेवा परीक्षा के जरिए

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने फैसला किया है कि भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) के लिए अधिकारियों की भर्ती 2023 से यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के जरिए की जाएगी। यह पहले के एक आदेश से अलग है जिसमें कहा गया था कि सेवा के लिए भर्ती 2023 से यूपीएससी द्वारा आयोजित की जाने वाली विशेष रूप से तैयार की गयी आईआरएमएस परीक्षा के जरिए की जाएगी।

अमेरिकी वीजा नवीनीकरण : 'ड्रॉपबॉक्स' के जरिए आवेदन

नई दिल्ली। अमेरिका के दूतावास ने कहा है कि अमेरिकी वीजा के नवीनीकरण के इच्छुक लोग अब 'ड्रॉपबॉक्स' के जरिए आवेदन जमा कर सकते हैं। इसके साथ ही दूतावास ने स्पष्ट किया कि ईमेल के जरिए भेजे जाने वाले ऐसे अनुरोधों पर विचार नहीं किया जाएगा। मुंबई में अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास में कांसुलर प्रमुख जॉन बलार्ड ने कहा कि भारत में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों ने 2023 में भारतीय छात्रों से भारी संख्या में वीजा प्राप्त करने की तैयारी की है। अमेरिकी दूतावास ने 2022 में 1,25,000 से अधिक छात्र वीजा के संबंध में फैसला किया था।

एक से अधिक सीट से चुनाव लड़ने पर रोक की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उम्मीदवारों के एकसाथ एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। न्यायालय ने कहा, यह 'विधायी नीति' का विषय है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, उम्मीदवार कई कारणों से अलग-अलग सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। पीठ में न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला भी शामिल थे। पीठ अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 33(7) एक व्यक्ति को दो निर्वाचन क्षेत्रों से किसी एक आम चुनाव या कई उपचुनावों में या द्विवार्षिक चुनाव लड़ने की अनुमति देता है।

'88 गुरु' की पहल, केंद्रीय विद्यालय में प्रतियोगिता

नई दिल्ली । रोहिणी स्थित केंद्रीय विद्यालय में '88 गुरु' ने क्विज प्रतियोगिता ''द शाइनिंग स्टार'' का आयोजन किया, जिसमें प्रतियोगिता और रोमांचक पुरस्कार के अलावा पढ़ाई से जुड़ी दिलचस्प गतिविधियां शामिल थी।

गडकरी-फडणवीस के गृह जिले में हारी BJP, उद्धव ठाकरे के गठबंधन ने नागपुर में चौंकाया

महाराष्ट्र विधान परिषद की पांचों सीटों पर सोमवार को हुए चुनावों के आज परिणाम घोषित किये जा रहे हैं. इन चुनावों में नागपुर सीट के चुनाव परिणामों ने बीजेपी को तगड़ा झटका दिया है. नागपुर सीट पर एमवीए के सुधाकर अदबोले ने बीजेपी के नागो गानार को 7 हजार से ज्यादा वोटों से हराया है. नाना पटोले बोले- नागपुर में एमवीए की जीत बीजेपी के गढ़ पर प्रहार नागपुर में एमवीए की जीत पर विपक्ष गदगद नजर आ रहा है. महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने नागपुर जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि एमवीए ने बीजेपी के मातृ संगठन के गढ़ पर प्रहार किया है. बता दें कि नागपुर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और बीजेपी नेता नितिन गडकरी का न केवल गृह जिला है बल्कि यहां बीजेपी के वैचारिक संगठन आरएसएस का मुख्यालय भी है. औरंगाबाद सीट पर भी एमवीए

प्रत्याशी आगे नागपुर के अलावा नासिक डिवीजन की स्नातक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार सत्यजीत ताम्बे की जीत हुई है. हालांकि कोंकण शिक्षक निर्वा चन क्षेत्र में बीजेपी उम्मीदवार की जीत ने पार्टी को थोड़ी राहत जरूर दी है. इस सीट पर बीजेपी प्रत्याशी ज्ञानेश्वर म्हात्रे ने बलराम पाटिल को हराया. ज्ञानेश्वर म्हात्रे को 20 हजार से ज्यादा और बलराम पाटिल को महज 9 हजार 500 वोट मिले. अभी औरंगाबाद और अमरावती सीट पर वोटों की गिनती जारी है. इस सीट पर भी एमवीए बीजेपी से आगे चल रही है. क्या इन परिणामों का विधानसभा उपचुनावों पर पड़ेगा असर नागपुर यानी अपने गढ़ में पार्टी उम्मीदवार की इस तरह से हार बीजेपी के लिए किसी सदमे से कम नहीं हैं. महत्वपूर्ण बात ये है कि ये हार बीजेपी को ऐसे समय में मिली है जब राज्य की दो विधानसभा सीटों चिंचवाड़ और कस्बा पेठ पर उपचुनाव 26 फरवरी को होने वाले हैं. दोनों ही सीटों पर विधानसभा चुनावों में बीजेपी के उम्मीदवार विजयी हुए थे. उनके निधन के बाद से दोनों ही सीटें खाली हो गई हैं. नागपुर में मिली जीत से एमवीए के कार्यकर्ता ओंका जोश जरूर बढ़ेगा.

नागपुर और नासिक में बीजेपी को लगा झटका

महाराष्ट्र विधान परिषद की पांच सीटों पर हुए चुनावों में नासिक स्नातक निर्वा चनक्षेत्र में सत्यजीत ताम्बे ने जीत हासिल की है. नासिक डिवीजन स्नातक सीट पर कांग्रेस को बगावत का सामना करना पड़ा. इस सीट पर कांग्रेस ने तीन बार के विधान पार्षद सुधीर ताम्बे को अपना आधिकारिक उम्मीदवार बनाया था लेकिन उन्होंने पर्चा दाखिल नहीं किया और वह चुनावी दौड़ से बाहर हो गये.

बाद में उनके बेटे सत्यजीत ताम्बे ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पर्चा दाखिल किया. कांग्रेस ने दोनों नेताओं को पार्टी से निलंबित कर दिया. नागपुर में एमवीए के सुधाकर अदबोले जीते वहीं नागपुर सीट पर एमवीए के सुधाकर अदबोले ने बीजेपी के नागो गानार को 7 हजार से ज्यादा वोटों से हराया है. कोंकण शिक्षक निर्वा चन

क्षेत्र में बीजेपी प्रत्याशी ज्ञानेश्वर म्हात्रे ने बलराम पाटिल को हराया. ज्ञानेश्वर म्हात्रे को 20 हजार से ज्यादा और बलराम पाटिल को महज 9 हजार 500 वोट मिले. औरंगाबाद और अमरावती पर गिनती जारी बाकी बचीं औरंगाबाद और अमरावती सीटों पर अभी वोटों की गिनती जारी है. औरंगाहाद सीट पर भी महाविकास अघाड़ी बीजेपी से आगे चल रही है. बता दें कि इस सीट पर एमवीए ने विक्रम काले को उम्मीदवार बनाया था. कोंकण शिक्षक निर्वा चन क्षेत्र में हुई थी सबसे अधिक वोटिंग विधान परिषद के पांच सदस्यों का छह साल का कार्यकाल सात फरवरी को समाप्त हो रहा है और इन सीटों के लिये सोमवार को मतदान हुआ था. इन पांच सीटों में तीन शिक्षक निर्वा चन क्षेत्र जबकि दो स्नातक निर्वा चन क्षेत्र शामिल है. प्रदेश में सोमवार को हुये मतदान में सबसे अधिक कोंकण शिक्षक निर्वा चन क्षेत्र में 91.02 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया जबकि नासिक डिवीजन स्नातक सीट पर सबसे कम 49.28 फीसदी मतदान हुआ. इसके अलावा नागपुर एवं औरंगाबाद शिक्षक निर्वा चन क्षेत्रों में क्रमशः 86.23 फीसदी एवं 86 फीसदी मतदान हुआ जबकि अमरावती डिवीजन स्नातक निर्वा चन क्षेत्र में 49.67 फीसदी मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के लिए 98 फीसदी जमीन का अधिग्रहण पूरा

मुंबई। देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए अब तक 98.88 फीसदी जमीन का अधिग्रहण किया जा चुका है।

पहले से ही लेटलतीफी का शिकार हुई यह परियोजना अब 2026 तक जमीन पर उतरेगी। नेशनल हाईस्पीड रेल कॉर्पोरेशन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक मुंबई उपनगर में 100 फीसदी जमीन का अधिग्रहण किया जा चुका है, जबकि ठाणे जिले में 136.85 हेक्टेयर में से 131.96 और पालघर जिले में 288.77 हेक्टेयर में से 288.45 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण हो चुका है। मुंबई में पूरे 4.83 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण पहले ही हो चुका है।यानी बुलेट ट्रेन के लिए राज्य में कुल 430.45 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है जिसमें से 425.24 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जा चुका है। गुजरात में भी 98.91 फीसदी जमीन का अधिग्रहण हो चुका है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को बुलेट ट्रेन परियोजना में देरी की ठीकरा राज्य की उद्धव ठाकरे की अगुआई वाली पिछली महाविकास आघाडी सरकार के सिर फोड़ा और कहा कि उस समय सरकार ने जरूरी मंजूरियां नहीं दीं जिसके चलते देरी हुई। उन्होंने दावा किया था कि राज्य में एकनाथ शिंदे की अगुआई में नई सरकार बनने के बाद जमीन अधिग्रहण के काम में तेजी आई है। 3 घंटे में पूरी होगी मुंबई से अहमदाबाद की दूरी जापान की मदद से तैयार हो रही बुलेट ट्रेन

मुंबई से अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर लंबी दूरी तय करेगी जिसका अनुमानित खर्च 1.08 लाख करोड़ रुपए है। बुलेट ट्रेन द्वारा मुंबई से अहमदाबाद की दूरी 3 घंटे में पूरी हो सकेगी। फिलहाल ट्रेन से यह दूरी तय करने में 8 घंटे लगते हैं।

गुजरात के आठ जिलों से बुलेट ट्रेन का 352 किलोमीटर का हिस्सा गुजरेगा जिसके लिए ट्रैक, पुल आदि बनाने का ठेका दिया जा चुका है।यह काम दो साल में पूरा होना है।

परियोजना के ऐलान के बाद इसके 2024 तक पूरा होने की उम्मीद थी लेकिन महाराष्ट्र में जमीन अधिग्रहण में आने वाली अड़चनों ने परियोजना की रफ्तार सुस्त कर दी थी। फिलहाल बांद्रा कुर्ला काम्प्लेक्स में बनने वाले भूमिगत रेलवे स्टेशन, बीकेसी से सिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग और राज्य में बनने वाले पुलों, सुरंगों आदि के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है।

बिल्डरों से महरेरा ने वसूला 110 करोड़ रुपये के वारंट की वसूली

मुंबई। महारेरा ने समय पर घर खरीददारों को घर नहीं देने पर कठोर कार्रवाई की है। महारेरा ने वारंट के जरिए की जाने वाली वसूली के माध्यम से बिल्डरों से 110 करोड़ की वसूली की है। विभिन्न कारणों से घर खरीदारों को धोखा देने वाले बिल्डरों को सबक सिखाने के लिए महरेरा के द्वारा वारंट जारी किए जाते हैं। मुंबई पुणे और रायगढ़ में डिफॉल्टर बिल्डर्स को जारी किए गए वारंट में महारेरा ने कठोर कार्रवाई की है। महरेरा ने 118 प्रकरणों में घर खरीदारों को 110 करोड़ 56 लाख रुपये का नुक्सान भरपाई का वारंट जारी कर उनसे वसूली की है..

महरेरा द्वारा उठाए गए सख्त कदम से वारंट की वसूली में आ रही अड़चनें दूर हो गईं । दिसंबर महीने अथवा उसके पहले कई बार जारी वारंट जारी किए गए थे उसकी समीक्षा की गई । जिसमे मुंबई सहित ठाणे, पुणे, रायगढ़, पालघर, औरंगाबाद, नागपुर, नासिक, चंद्रपुर, सिंधुदुर्ग, सतारा, रत्नागिरी समेत 13 जिला कलेक्टरों को रिमाइंडर भेजा गया था. मुंबई, मुंबई उपनगरों सहित पुणे, रायगढ़ जिला अधिकारी कार्य क्षेत्र में 594 वारंट मामलों में 413 करोड़ 79 लाख रुपये की वसूली की उम्मीद थी। इन चारों जिलों से 118 वारंट में 100 करोड़ 56 लाख रुपये की वसूली करने में सफलता मिली। वारंट जारी करने के पीछे का कारण समय पर मकानों का कब्जा नहीं देने, अधूरे प्रोजेक्ट, गुणवत्ता में कमी आदि की शिकायतें महरेरा में आती रहती हैं। उन शिकायतों को सुनने के बाद महरेरा बिल्डर को एक निश्चित अवधि के भीतर ब्याज, मुआवजा, रिफंड आदि का भुगतान करने का आदेश देता है। समय पर वसूली न होने पर वसूली के लिए जिलाधिकारी कार्या लय की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। यह वसूली संबंधित कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार आदि के सहयोग से वसूली संभव हो पाई है। कहां और कितनी वसूली मुंबई शहर में 14 वारंट से 44 करोड़ 92 लाख की वसूली की दी गसी नोटिस में से 3 वारंट से 11 करोड़ 42 लाख की वसूली हो पाई। मुंबई उपनगर में 343 वारंट से 255 करोड़ 84 लाख की चाहिए थी. जिसमें 80 प्रकरणों में 55 करोड़ 57 लाख रुपये की वसूली की गई। पुणे में 163 प्रकरणों से 107 करोड़ 93 लाख रुपये की वसूली होनी चाहिए थी जिसमे 33 वारंट से 32 करोड़ 76 लाख रु.वसूल किया गया . रायगढ़ जिले में 74 वारंट से 15 करोड़ रुपये वसूलने का लक्ष्य था. जिसमे दो वारंट से 81 लाख रु. वसूल किए गए।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी, कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा को लेकर की यह अपील

रंजनबेन मसोया

शरीर पर चढ़ी अतिरिक्त वजन की परतें मुश्किलें खड़ी करती हैं। मोटापा अपने आप में कई बीमारियों की जड़ है। खासकर कमर यानी पेट पर चढ़ी चर्बी। वर्तमान में दुनियाभर में यह एक गम्भीर समस्या बन चुका है। विशेषज्ञ बार बार इस बात को लेकर चेता रहे हैं कि बढ़ते वजन को कंट्रोल नहीं किया तो कई गम्भीर बीमारियों की आशंका बढ़ सकती है। यहां तक कि कम उम्र वयस्कों और बच्चों में भी मोटापा बड़ी परेशानी के रूप में सामने आने लगा है। हालांकि पिछले कुछ ही समय में फिटनेस को लेकर लोग सतर्क हुए हैं। खासतौर पर कोरोना के आने के बाद। मुश्किल यह है कि अधिकांश लोग वजन घटाने के लिए बिना सलाह लिए उपाय करने लगते हैं। जरूरी है कि जो भी उपाय आप अपना रहे हों वह आपके शरीर के हिसाब से तय हो, ताकि वजन भी ठीक से कम हो और कोई दिक्कत भी न आये। जानिए कहां करते हैं लोग गलती।

एक दिन में नहीं घटता वजन:

अगर कोई आपको ये गारंटी देता है कि वह एक हफ्ते या कुछ दिनों में आपका वजन चमत्कारिक रूप से बिना किसी नुकसान के कम कर देगा तो सम्भल जाएं। वजन घटाना ऐसी प्रक्रिया है जो समय लेती हैं। इसमें भी सबसे खास बात होती है इस प्रक्रिया की निरंतरता। अगर आप रूटीन को लगातार नहीं बनाए रखते तो घटा हुआ वजन फिर से बढ़ सकता है। इसके अलावा हर इंसान के शरीर की अपनी एक प्रकृति होती है।किसी एक तरीके से अगर कोई व्यक्ति वजन घटाने में कामयाब हुआ तो वही सबके लिए काम करेगा ये जरूरी नहीं। इसलिए वजन घटाने के लिए हमेशा सही तरीके और सलाह का रास्ता ही चुनना बेहतर है। आमतौर पर लोग वजन घटाने की दिशा में जो गलत कदम उठाते हैं, वे इस प्रकार हैं-

-भूखे रहकर वजन घटाने की कवायद अधिकांशतः लड़कियां और महिलाएं करती हैं। उन्हें लगता है कि ये सख्त डाइटिंग उनका वजन चमत्कारी रूप से कम कर देगी। वजन कम हो भी जाता है लेकिन शरीर को काफी नुकसान पहुंचाकर। लम्बे समय तक भूखे रहने या बहुत कड़क डाइटिंग से शरीर को पूरा पोषण नहीं मिल पाता। इससे शरीर का शुगर लेवल भी गड़बड़ा सकता है।

साथ ही मेटाबॉलिज्म भी असंतुलित हो सकता है। -किसी परिचित, दोस्त या सेलिब्रिटी की देखा-देखी अपनाए जाने वाले डाइट प्लान भी आपके शरीर पर बुरा असर डाल सकते हैं। जरूरी नहीं कि जिस डाइट ने दूसरों पर सही असर किया वही आप पर भी करें। इससे शरीर के पोषण का स्तर असंतुलित हो सकता है।

-अगर आपको लगता है कि बाजार में मिलने वाले सभी लो कैलोरी, कैलोरी फ्री, लो फैट फ़ूड और शुगर फ्री खाद्य डाइटिंग में हेल्प करेंगे तो आप गलत सोचते हैं। इस तरह की चीजों में मौजूद कैमिकल्स शरीर के भीतर के अंगों के काम करने के तरीके को गड़बड़ा सकते हैं। उसकी बजाय अगर आप अपने भोजन में संतुलित मात्रा में घी का प्रयोग करते हैं तो भी कोई समस्या नहीं होगी।

3 साल का बच्चा पैसे की ताकत जानता है:7-9 साल की उम्र में मनी मैनेजमेंट सिखाएं तो बचत की आदत समझेगा बच्चा

चार्ल्स पटेल

अधिकतर माता-पिता को यह चिंता रहती है कि बच्चे पैसे की कीमत नहीं समझते, जबकि हकीकत यह है कि बच्चों को पैसों के लिहाज से समझदार बनाने के गुर सिखाने में वे खुद ही लापरवाही बरतते रहे हैं।

विशेषज्ञ कहते हैं कि मनी-मैनेजमेंट जिंदगी का अहम पहलू है व पेरेंटिंग के लिहाज से बड़ी जिम्मेदारी भी। वे कहते हैं कि यूं तो बच्चे 3 साल की उम्र से ही पैसे की शक्ति समझने लगते हैं, लेकिन 7-9 साल की उम्र बच्चों को मनी मैनेजमेंट सिखाने की सबसे सही उम्र होती है।

छोटी उम्र में बच्चों को पैसे खर्च करने की खुशी दें

क्लिफ्टन कॉर्बिन, रोन लिबर, बेथ कॉबलिंगर और डाउग नॉर्डमैन बच्चों के मनी मैनेजमेंट के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने कई किताबें लिखी हैं। वे कहते हैं कि 7 से 9 साल की उम्र में बच्चे को पॉकेट मनी देना शुरू कीजिए। उसे पैसे बचाने की जरूरत बताइए और खर्च करने की खुशी महसूस करना सिखाइए।

अपनी किताब 'योर किड्स, देयर मनी' में क्लिफ्टन कॉरबिन कहते हैं कि पॉकेट मनी पर बच्चों को स्वतंत्र फैसले लेने दीजिए। नजर रखिए कि वे क्या व क्यों खरीद रहे हैं? कितना बचा रहे हैं। गलतियां हो रही हैं तो करने दें। उन्हें गलती के असर के बारे में समझाएं। इससे वे पैसे का

अर्थशास्त्र समझेंगे व भविष्य के लिए खुद को तैयार करेंगे।

बच्चों के साथ खर्च और बचत का चार्ट बनाएं

फेलन कहते हैं कि पैसे देने से ही बच्चे मनी मैनेजमेंट नहीं सीखते। उनकी इच्छा-योजनाएं भी जानना जरूरी है। उनके साथ बैठकर खर्च और बचत का चार्ट बनाएं। महंगी चीज खरीदने के लिए भी लक्ष्य बनाएं। यह अहसास करा दें कि इसके लिए हफ्तों या महीनों की बचत करनी पड़ सकती है।

पर्सनल फाइनेंस शिक्षक रॉब फेलन कहते हैं कि मैं 3 साल के बेटे को हर हफ्ते 3 डॉलर देता हूं। वह या तो उसे खर्च करे या इकट्ठा करे। पहले वह तुरंत खर्च कर देता था। अब बचा रहा है। 10 साल की उम्र तक वह पैसे की कीमत व समझदारी से खर्च करना सीख जाएगा।

पॉकेट मनी पर बच्चों को खुद फैसला करने दें

विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को पॉकेट मनी देने के 3 तरीके अपनाए जा सकते हैं-

काम के बदले दाम- बच्चों को घर के काम की जिम्मेदारी दें, जैसे बिस्तर ठीक करना, पौधों में पानी देना। काम नियमित करने पर उसे हर महीने निश्चित राशि दें।

सफलता पर पुरस्कार- दूसरा तरीका, बच्चे के अच्छे नंबर लाने, खेल में बेहतर करने या किसी अच्छे व्यवहार को पुरस्कृत करना।

हाइब्रिड पेमेंट- इसमें बच्चों को हर माह या हफ्ते बिना किसी काम निश्चित पॉकेट मनी दी जाती है। उसे किसी काम के बदले भी धनराशि दी जाती है।

बच्चों में बढ़ रहा है स्क्रीन टाइम:बच्चों को शांत कराने के लिए मोबाइल थमाना नुकसानदेह, इससे कम उम्र में घटती है एकाग्रता

राज के.वेगड़

कई बार बच्चे रोते हैं तो पैरेंट्स उन्हें मोबाइल या टैबलेट देकर शांत करा देते हैं। इससे बच्चे उस वक्त तो शांत हो जाते हैं, लेकिन भविष्य में इसके गंभीर परिणाम सामने आते हैं। दरअसल, 9 साल की उम्र पूरी होने के बाद इस तरह के बच्चे जब दूसरे बच्चों के संपर्क बनाते हैं, तो डिवाइस की लत के चलते उन्हें घुलने-मिलने में दिक्कत होती है। उनकी एकाग्रता घटती है और कार्य करने की क्षमता प्रभावित होती है। स्क्रीन का बच्चों पर असर जानने के लिए हाल ही में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी सेंटर ऑफ डेवलपिंग चाइल्ड में हुए एक शोध हुआ। इसमें सामने आया कि 9 साल की उम्र तक ज्यादा समय मोबाइल या टैबलेट के साथ बिताने वाले बच्चों की एकैडमिक परफॉर्मेंस घटती है। मानसिक स्वास्थ भी बिगड़ता है।

शारीरिक एक्टीविटीज से होता है मानसिक विकास

शोध में बताया गया कि ऐसे बच्चों को बचपन में मोबाइल थमाना उनसे बचपन छीनने जैसा होता है। इससे ज्यादा उन्हें बड़ों से बातचीत करने देना ज्यादा जरूरी है। इसके अलावा उन्हें सोशल एक्टिविटी या शारीरिक गतिविधियां कराने की भी जरूरत है, ताकि शारीरिक और मानसिक विकास हो सके।

ऐसे बच्चे भावनात्मक रूप से काफी कमजोर होते हैं। इसका असर लड़कों में ज्यादा होता है। एक अन्य शोध के अनुसार स्क्रीन टाइम बढ़ने से बच्चों में चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है और वे कई बार चुनौतीपूर्ण माहौल में आक्रामक व्यवहार करने लगते हैं। इससे बच्चों की फिजिकल एक्टिविटी तो कम होती ही है।

सवालों का जवाब दें, कपड़े व्यवस्थित करना सिखाएं

अगर आप कपड़े तह कर रहे हैं तो बच्चों को भी अपने साथ कुछ कपड़े तह करने के लिए दें। ताकि उनका उस काम में मन लगा रहे। स्क्रीन टाइम का समय निर्धा रित करें। ज्यादा से ज्यादा उन्हें प्रश्न करने का मौका दें। जहां तक हो सके उनके सवालों का जवाब भी दें।

बच्चों पर पड़ता है पेरेन्ट्स की हेल्थ का असर:हेल्दी लाइफस्टाइल जीने वाली मांओं की बेटियों में डिप्रेशन का खतरा कम, पर लड़कों में ऐसा नहीं

भागदौड़ भरी जिंदगी में हेल्दी रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि इसका असर आपके बच्चों के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। जिन माताओं की हेल्दी लाइफ स्टाइल होती है, उनकी बेटियों में डिप्रेशन के लक्षण कम होते हैं। हालांकि लड़कों पर इस तरह का कोई असर नहीं पड़ता है।

युवाओं में विकलांगता का प्रमुख कारण डिप्रेशन

दरअसल, पिछले कुछ सालों में किशोरों में डिप्रेशन तेजी से बढ़ रहा है।

अमेरिका में 2005 में 8.7% किशोर डिप्रेशन के शिकार थे। यह आंकड़ा 2014 में बढ़कर 11.3% हो गया। वहीं 50% किशोरों ने डिप्रेशन के अलावा इससे जुड़े अन्य मानसिक विकारों से जूझने की बात स्वीकारी। युवाओं में विकलांगता का प्रमुख कारण भी डिप्रेशन बन रहा है।प्रमुख शोधकर्ता वी-चेन वांग ने शोध में बताया कि स्वस्थ आहार, धूम्रपान न करना, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, सामान्य बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) और शराब के सेवन से बचने से डिप्रेशन में कमी हो जाती है। यह जानने के लिए 10,368 अलग-अलग पेशे की 25 से 45 वर्ष की महिलाओं का डेटा एकत्र किया गया था।

पिता के डिप्रेशन का बच्चे के विकास पर असर

1989 से कलेक्ट किए गए इस डेटा के विश्लेषण में सामने आया कि माताओं की जीवन शैली और व्यवहार उनकी संतानों की जीवन शैली से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। हालांकि माता के मोटा होने पर बेटियों में डिप्रेशन की आशंका भी कम ही होती है।

पिता के डिप्रेशन का बड़े होते बच्चों पर गहरा असर पड़ता है। फिर चाहे वह बच्चा अनुवांशिक रूप से पिता से जुड़ा हो या फिर गोद लिया गया हो। पिता यदि डिप्रेशन में हो तो बच्चों को विकास के लिए सही वातावरण नहीं मिल पाता है।

बच्चे पैरेंट्स के व्यवहार की नकल करते हैं

बच्चे अनजाने में पैरेंट्स के व्यवहार की नकल करते हैं।

कई बार इसे आत्मसात भी कर लेते है। कई बार उसे अपने अनुसार बदलकर उसके अनुसार व्यवहार भी करने लगते हैं। इसका किशोरावस्था और वयस्क होने पर ज्यादा प्रभाव पड़ता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष: सप्ताह दौड़भाग वाला रहेगा। पारिवारिक कार्यो पर खर्च की अधिकता रहेगी। स्वजन से मतभेद भी पैसों को लेकर ही होंगे। इस सप्ताह जीवनसाथी के साथ पटरी बैठाने में परेशानी आएगी। नौकरीपेशा लोगों को अतिरिक्त जिम्मेदारियों का बोझ उठाना पड़ेगा। कारोबारियों को कार्य में शिथिलता अनुभव होगी किंतु नए कार्य प्रारंभ कर सकते हैं।

वृषभ : सप्ताह आर्थिक दृष्टि से उत्तम रहेगा किंतु पारिवारिक जीवन में थोड़ी मुश्किलें आ सकती हैं। आपको महत्व नहीं मिलेगा इस कारण मन खिन्न रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्य में बदलाव की संभावना है। स्थानांतरण भी संभव है। व्यापारी बंधु नए कार्य प्रारंभ करेंगे। भूमि, संपत्ति की खरीदी-बिक्री से लाभ अर्जित करेंगे।

मिथुन : पारिवारिक मेलजोल समागम होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है। संतान पक्ष की ओर से मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। एक से अधिक साधनों से धन प्राप्त होगा। नौकरीपेशा को उन्नति मिलेगी। व्यापारी वर्ग नए कार्य प्रारंभ करेंगे। संपत्ति संबंधी कार्यो को गति मिलेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कर्क : मन-मस्तिष्क को विचलित करने वाली कोई घटना हो सकती है। परिवार में अनपेक्षित संकट आ सकता है। अचानक बड़ी धनराशि की आवश्यकता पड़ सकती है और मित्र साथ नहीं देंगे। नौकरीपेशा को दौड़भाग अधिक रहेगी। व्यापारी वर्ग कार्य को मन लगाकर नहीं करेंगे जिससे संकट आ सकता है।

सिंह : सप्ताह शुभ है। पारिवारिक मेलजोल होगा। मांगलिक प्रसंगों में शामिल होने का अवसर आएगा। परिवार में माहौल खुशनुमा रहेगा। आर्थिक संकटों का समाधान होगा। नए कार्य प्रारंभ करने के लिए समय उत्तम है। नौकरी में मनमुताबिक बदलाव कर पाएंगे। स्वास्थ्य नरम-गरम रह सकता है। नए भवन, वाहन का सुख प्राप्त होगा।

कन्या : पारिवारिक मेलजोल होगा। मन प्रसन्न रहेगा। किसी महत्वपूर्ण पारिवारिक कार्य के पूरा हो जाने से मन हल्का होगा और अच्छा अनुभव करेंगे। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह शुभ है। नौकरी में उन्नति प्राप्त होगी। जो लोग नौकरी की तलाश कर रहे हैं उन्हें भी शुभ समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। संतान पक्ष की ओर से उत्साहजनक समाचार मिलेगा। धन लाभ होगा।

तुला : सप्ताह सामान्य है। कार्यस्थल पर उच्चाधिकारियों से मतभेद और मनभेद हो सकता है। इसलिए आप अपना कार्य ईमानदारी से करते रहें। परिवार में जीवनसाथी के साथ टकराव हो सकता है किंतु प्रेम संबंध मजबूत होंगे। सामाजिक जीवन में कोई सम्मान मिल सकता है। शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। रोगों में कमी आएगी।

वृश्चिक : सप्ताह शुभ है। सोचे सभी कार्य समय पर पूरे होंगे। पिछले दिनों से चली आ रही आर्थिक परेशानियों का हल मिलेगा। नए वाहन, भवन खरीदने की योजना बनेगी। नौकरीपेशा सुख में रहेंगे। व्यापारियों को थोड़ी भागदौड़ रहेगी। नए कार्य प्रारंभ करने के लिए समय उत्तम है। जीवनसाथी के साथ प्रेम बढ़ेगा। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे।

धनु : इस सप्ताह पैसों की आवक भरपूर होने वाली है। पुराना अटका हुआ पैसा भी लौटने लगेगा। नए कार्य प्रारंभ करेंगे। व्यापारी वर्ग प्रसन्न रहेंगे। नौकरी में उन्नति के योग हैं। धैर्य और संयम का शुभ परिणाम मिलने वाला है। परिवार में मांगलिक प्रसंग आएंगे। माता-पिता के सहयोग से बड़ी योजनाएं साकार करेंगे। प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

मकर : सप्ताह गति वाला है। आपके अटके हुए काम तो पूरे होंगे ही नए कार्यो की रूपरेखा भी बनेगी। नौकरी में उन्नति प्राप्त होगी। व्यापार में नए आयाम स्थापित करेंगे। संकटपूर्ण समय बीत गया है। अब आगे बढ़ने का वक्त है। कार्य प्रारंभ करें लाभ होगा। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह खर्चीला जरूर है किंतु लाभ ही लाभ प्राप्त होगा।

कुंभ : इस सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति होगी। आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। संपत्ति के अटके हुए काम पूरे होने लगेंगे। परिवार में माहौल खुशनुमा रहेगा। जीवनसाथी के साथ चल रहे टकराव दूर होंगे। नौकरी में उन्नति प्राप्त होगी। सामाजिक जीवन में पद-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। व्यापारियों को नए कार्य अनुबंध प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मीन : इस सप्ताह मनमुताबिक कार्य करने में सफल होंगे। यात्राओं-पर्यटन का मौका आएगा। दांपत्य के टकराव दूर होंगे। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। नए संबंध भी बन सकते हैं। कार्यो में चल रही अस्थिरता दूर होगी। परिवार में मांगलिक प्रसंग आएंगे। नौकरी में बदलाव करना चाहें तो अवसर मिलेंगे। व्यापार में प्रगति का समय है। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे।

चुटकुले

पाकिस्तान के एक स्कूल में एक मास्टर जी पढ़ा रहे थे।
मास्टर जी बोले: बेटे बताओ हमारे पाकिस्तान में पानी की इतनी कमी क्यों है?
जुम्मन: मास्टरजी, अब्बू बताते हैं कि हमारे देश में एक ही हैंडपंप हुआ करता था,
जिसे भारत से आए तारा सिंह ने उखाड़ दिया था।
बस तभी से पानी की बड़ी किल्लत है।

पति- सेल्फ कंट्रोल करना तो कोई तुमसे सीखे।
पत्नी (खुश होकर)- वह तो है लेकिन किस बात पर?
पति- शरीर में इतनी शुगर है लेकिन मजाल है, कभी जुबान पर आने दो
पति अपनी इस बात को लेकर अगले चार दिन तक पछताता रहा।

बाप बेटे को प्यार से समझाते हुए बालो-तुम मुझे अब अपना दोस्त समझ सकते हो...
कुछ देर बाद...
बेटा- सुन दया शंकर, पड़ोस वाले मिश्रा की बेटी का मोबाइल नंबर का जुगाड़ लगा...
तेरे दोस्त का उस पर दिल आ गया है...
फिर क्या चप्पल से हुई खूब पिटाई!

टीटू- तुम्हारी आंख क्यों सूजी हुई है?
शौंटी- कल मैं अपनी पत्नी के जन्मदिन पर केक लेकर गया था।
टीटू- लेकिन इसका आंख सूजने से क्या संबंध है?
शौंटी मेरी पत्नी का नाम तपस्या है।
लेकिन केक वाले बेवकूफ दुकानदार ने लिख दिया "Happy Birthday समस्या"।

केंद्रीय बजट एक प्रगतिशील आर्थिक दस्तावेज -कैट

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया "वित्त मंत्री श्रीमती निर्म ला सीथारमन द्वारा आज प्रस्तुत केंद्रीय बजट एक व्यापक और प्रगतिशील बजट दस्तावेज है जो सुनियोजित तरीके से भविष्य में प्रत्येक क्षेत्र के विकास के मापदंड को बताता है वहीँ व्यापार एवं लघु उद्योग के चरणबध्द विकास, स्वास्थ्य क्षेत्र और अन्य सेवाओं में मजबूत विकास के पैरामीटर्स को रेखांकित करता है । कुल मिला कर हम इसे एक संपूर्ण विकासशील बजट कह सकते हैं - यह कहते हुए कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा की वर्तमान हालातों में बजट के जरिये अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने का प्रयास किया गया है । बजट के प्रावधानों से जहां घरेलू व्यापार में नये अवसर मिलेंगे वहीं दूसरी ओर देश के निर्या तव्यापार को भी बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा । वित्त मंत्री द्वारा बजट में 7 प्राथमिकताओं के ज़रिए कोशिश की है की बाज़ार में ज़्यादा से ज़्यादा पैसा आये जिसका प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष लाभ व्यापारियों को मिलेगा । कैट के महाराष्ट्र प्रदेश के वरिष्ठ अध्यक्ष महेश बखाई ने कहा की आय कर के पाँच स्लैब बनाना तथा व्यक्तिगत आय कर छूट को 7 लाख करना वित्त मंत्री का साहसिक कदम है । बजट में लोगों को उद्यमी की ओर प्रोत्साहित करना भी एक बड़ा कदम है वहीं डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा दिया जाना तथा अनेक वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी को घटना प्रशंसनीय है । कैट ने आज देश के सभी राज्यों में एक हज़ार से ज़्यादा स्थानों पर बजट को लाइव देखे जाने के कार्यक्रम आयोजित किए। राजधानी दिल्ली में यह कार्यक्रम ख़ान मार्केट में आयोजित किया गया ।.शंकर ठक्कर ने कहा की भारी बाधाओं और घरेलू और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित भारतीय अर्थव्यवस्था को परिभाषित विकास के भविष्य के एजेंडे को सबसे प्रभावशाली तरीके से बजट के जरिये स्थापित करने मैं श्रीमती सीथारमन सफल हुई हैं ।कैट के महानगर अध्यक्ष दिलीप माहेश्वरी ने कहा की हालांकि हमें खेद है कि जीएसटी कर ढांचे के सरलीकरण और युक्तिकरण के संबंध में कुछ भी ठोस घोषणा नहीं की गई है जो "एक बाजार-एक कर" के सिद्धांत के विपरीत है और एवं इसके साथ ही ई कॉमर्स में विदेशी कंपनियों द्वारा किए जा रहे मनमाने रवैये पर भी कोई बात न कहने से देश भर के व्यापारियों में बहुत निराशा है ।फिर भी अर्थ की दृष्टि से यह एक दूरदर्शी बजट है जिसमें युवाओ, डिजिटल करेंसी पर ध्यान दिया गया है वहीं बैंकिंग का डिजिटलीकरण ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर तरीके से जोड़ेगा तथा उनके जरिये बाजार में पैसा आने की संभावनाएं बढ़ेंगी ।कैट के महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष सचिन निवंगुने ने कहा की कोविड महामारी की पृष्ठभूमि में सरकार ने एक सर्वोत्तम संभव बजट देने की कोशिश की है । हम प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री श्रीमती निर्म ला सीतारमण को बधाई देते हैं जिन्होंने भारत के एक मजबूत और सुपरिभाषित विकास के लिए एक निश्चित रोडमैप प्रदान करने की पहल की है"।:कॉन्फेडेरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स, महाराष्ट्र प्रदेशमहामंत्री : श्री शंकर वी.ठक्कर

डॉ दलजीत कौर - एक बहुत उत्साही व्यक्तित्व संस्थापक अध्यक्ष - द अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लोबल पीस के आईएडब्ल्यूए एनजीओ एंबेसडर

असम की राजधानी गुवाहाटी की एक साधारण सी लड़की दलजीत कौर ने अपनी हिम्मत और मेहनत से वो मुकाम हासिल किया कि जो देश और दुनिया की महिलाओं के लिए मिसाल बन गई है। ख़ुद घरेलू हिंसा को झेल चुकी दलजीत कौर गुहाटी से मुम्बई नगरी में बॉलीवुड में अपने सपनो को साकार करने के लिए आईं जहां उन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत व हौंसले के दम पर नाम कमाया वहीं समाज सेवा में भी निरंतर व्यस्त रहीं। फ़िल्म इंडस्ट्री में सीमा बेदी के नाम से जानी जाने वाली दलजीत एक मल्टी-टास्कर अभिनेत्री हैं। यहां उनका कोई गोड फादर नही था, फिर भी एकेले चलते चलते अपनी मंजिल तक पहुंच ही गई। कई उतार चढाव कई तरह की कास्टिंग काउच से भाग कर कई टी वी धारावाहिको में काम किया, जैसे बालिका वधु, सास भी कभी बहु थी, इस प्यार को क्या नाम दू, CID जैसे धारावहिकों से चर्चित रहीं। शाहरुख खान की फ़िल्म 'फैन' व सतीश कौशिक की 'तेरे संग' से उनको अलग पहचान मिली । हाल ही में अमेरिकन यूनिवर्सिटी ने उनके कार्य को देखते हुए उन्हें भारत की एंबेसडर नियुक्त किया। हर एक्सीलेंसी से भी नवाजी गई है। एमव अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लोबल पीस के साथ संलग्न भी कर रही हैं। दलजीत ने महिलाओं के उन्नति के लिए एक समाजसेवी संस्था "आईवा" की शुरुआत की, जिसके अंतर्गत वह महिला सशक्तिकरण के लिए सौंदर्य प्रतियोगिताएं व महिला अधिकारों के प्रति जागरुकता सैमीनार करवाने के अलावा महिला उत्पीड़न के खिलाफ भी आवाज उठाती हैं। कोविड 19 के दौरान उन्होंने इंटरनेट के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर "आईवा" ब्यूटी कॉन्टेस्ट और कई सोशल जागरूकता के कार्यक्रम सफलतापूर्व कआयोजित किया। आज विश्व में 50,000महिलाओं का संगठन चला रही जो की समाज के हित में पर्व काम करते है नेशनल ह्यूमन राइट्स की वाईस चैयरपर्सन दलजीत कौर समाज सेवी, महिला सशक्तिकरण व अन्य कार्यों के लिए अक्रेडिटेड विथ यूनाइटेड नेशन (AUGP) की तरफ से डॉक्टरेट की मानिंद उपाधि भी हासिल कर चुकी हैं। वह नेशनल अकाली दल इंडिया की अध्यक्ष भी हैं। दलजीत कौर मल्टी-टास्कर अभिनेत्री के इलावा एक सक्षम मेकअप आर्टिस्ट, स्किन सोशलिस्ट हेयर डिज़ाइनर भी है उन्होंने इंग्लैंड के चेस्टर से कॉस्मेटोलॉजिस्ट ,की ट्रेनिंग ली थी। दलजीत कौर ने उनकी अमरसिने प्रोडक्शन कंपनी के बैनर तले कई अवॉर्ड शो कर रही है 2018 से। सरस्वती बाई दादा साहेब फालके अवार्ड शो जो की फिल्म की पुराने एस्टेब्लिश्ड कलाकारों का सम्मान करती है।

एसडीपी वूमेन अवॉर्ड का आयोजन कर दुनिया की 500 महिलाओं को उनके बेहतरीन कार्यों व शख्सीयत के लिए सम्मानित कर चुकी हैं। आपने इसी बैनर तले यूट्यूब के लिए वेबसर्स , म्यूजिक एल्बम प्रोड्यूस कर के कई नए कलाकारों भी काम दिया। दलजीत कौर स्वयं साल 2016 में 'मिसेज़ यूनिवर्स पॉपुलर' रह चुकी हैं। उन्होंने कई नए कलाकारों के लिए प्लेटफॉर्म उफलब्ध करवाया है।

दलजीत की आनेवाली फिल्में हैं यशपाल शर्मा के संग मिस्टर पानवाला, और मीता वशिष्ट के साथ मीर सरवर। आईवा (IAWA) इस वक़्त महिलाओं के उत्थान के लिए अंतर्रा ष्ट्रीय स्तर कई सफल प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का सफल आयोजन करवा रही हैं। उनका सपना है की आर्टिस्टों के लिए एक क्लब बनाया जाए जहा आर्टिस्ट अपनी कला को बांट सके ,और एक ओल्ड एज होम की भी स्थापना उन्होंने कर दी है जो की एक अदभुत घर होगा जहा सीनियर सिटीजन एवम अनाथ बचो को एक साथ रखा जाएगा और उनके भाविश को उजागर किया जाएगा।

रॉनी रोड्रिग्स ने डॉ. भाग्यश्री को उनके डेंटल क्लिनिक और इम्प्लांट सेंटर के भव्य उद्घाटन पर बधाई दी

गणतंत्र दिवस पर पूर्व एसीपी मुंबई पुलिस की बेटी, श्री दत्तात्रेय भरगुडे, दादर (पश्चिम) मुंबई में स्थित डॉ. भाग्यश्री के ब्रांड न्यू डेंटल क्लिनिक एंड इंप्लांट सेंटर का उद्घाटन श्री रोनी रोड्रिग्स (पर्ल ग्रुप ऑफ के हेड ऑनको) द्वारा भव्य अंदाज में किया गया। कंपनियों और सिनेबस्टर मैगज़ीन के प्रकाशक प्रधान संपादक) के रूप में उन्होंने पूरे कार्यक्रम की मेजबानी की। उद्घाटन के दौरान उनकी टीम मौजूद थी। उन्होंने डॉ भाग्यश्री को फूलों के विशाल गुलदस्ते के साथ बधाई दी और उन्हें शुभकामनाएं दीं। क्लिनिक का उद्घाटन डॉ. भाग्यश्री के माता-पिता और उनके गुरु डॉ. प्रदीप जोशी और डॉ. उदय शेट्टी के अलावा मीडियाकर्मी भी मौजूद थे।

इस क्लिनिक में कई दंत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हैं जैसे कि दांतों की सफाई, क्राउन और ब्रिज, दंत प्रत्यारोपण, दांतों की सफेदी, पूर्ण दांत, गम उपचार, मुस्कान डिजाइनिंग और बदलाव, कॉस्मेटिक दंत चिकित्सा, ऑर्थोडोंटिक उपचार, छोटी मौखिक सर्जरी, आरसीटी/री आरसीटी आदि।

डॉ. भाग्यश्री श्री रोड्रिग्स द्वारा की गई व्यवस्थाओं से अभिभूत थीं। उन्होंने कहा, "मैं रॉनी सर की बहुत आभारी हूं, उन्होंने मुझे एक बड़ा सरप्राइज दिया है। उनका आशीर्वा द हमेशा मेरे साथ है। किन्हीं कारणों से वह यहां नहीं आए लेकिन उन्होंने अपनी टीम के सदस्यों के साथ अपना प्यार यहां भेजा है। रॉनी जी यहां पूरा इंटीरियर डिजाइन किया है और कार्यक्रम की मेजबानी की है।"

संयोग से इंटीरियर डिजाइन श्री रोनी रोड्रिग्स की कंपनियों में से एक, पीबीसी इंटीरियर एंड डिजाइनर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाता है।

डॉ. भाग्यश्री ने आगे कहा २०१५ में मैंने अपनी स्नातक की डिग्री प्राप्त की, उसके बाद मैंने डॉ. प्रदीप जोशी के साथ कुछ वर्षों तक काम किया,

मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। फिर पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद, मैं डॉ उदय शेट्टी के क्लिनिक में शामिल हो गयी जहाँ मुझे व्यावहारिक प्रशिक्षण मिला। उनके साथ काम करने से मुझे काफी टेक्निकल नॉलेज मिली। और मैं उस सारे ज्ञान का उपयोग अपने क्लिनिक में करना चाहती हूं। अब दांतों के इलाज का सिस्टम बदल गया है, सब कुछ डिजिटल हो गया है। मैं दंत चिकित्सा देखभाल में नवीनता और सुविधा लाने का इरादा रखती हूं। मैं मसूड़ों के उपचार का विशेषज्ञ हूं।"

डॉ. भाग्यश्री ने आगे कहा, 'मेरी कोशिश रहेगी कि मेरे क्लिनिक में आने वाले सभी मरीजों का इलाज इस तरह से हो कि वो सालों तक स्वस्थ रहें.'

डॉ. भाग्यश्री के मेंटर डॉ. उदय शेट्टी ने कहा, "डॉ. भाग्यश्री ने मेरे साथ कुछ वर्षों तक काम किया है। इलाज के मामले में उनका हाथ अच्छा है। वह जल्दी सीखती हैं और रोगियों के साथ बातचीत करते समय अच्छे व्यवहार करती हैं। उनका आत्मविश्वास उसके अभ्यास में परिलक्षित हुआ है। मैं उसके नए क्लिनिक और उसके भविष्य के प्रयासों के लिए उसे शुभकामनाएं देता हूं।"

मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ. भाग्यश्री ने जवाब दिया, ''खान-पान में बदलाव के कारण आज लाइफ स्टाइल बदल गया है। दांतों और मसूड़ों को अच्छी स्थिति में रखने के बारे में जागरूकता। बेहतर दांतों और मसूड़ों के लिए रात को सोने से पहले और सुबह ब्रश करना जरूरी है। मेरे जीवन में मेरे पिता दत्तात्रेय भरगुडे का बहुत बड़ा सहयोग रहा है। उन्होंने मुझे हमेशा प्रेरित किया है और मेरा समर्थन किया है। भावनात्मक और आर्थिक रूप से भी। मैं ख़ुद को बहुत ख़ुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे इतने सपोर्टिव और मजबूत माता-पिता मिले।"

डॉ. भाग्यश्री के पिता दत्तात्रेय भरगुडे मुंबई पुलिस के पूर्व एसीपी हैं। उन्होंने गर्व से कहा, "भाग्यश्री हमेशा से एक बहुत ही मेधावी छात्रा थी। उसे पढ़ाई का बहुत शौक था। उसकी प्रतिभा को देखकर मैंने उसे चिकित्सा क्षेत्र में दाखिला दिलाया और आज वह एक अच्छी दंत चिकित्सक बन गई है। उसने अपना क्लिनिक भी खोला है। अद्वितीय भाग्यश्री में जो प्रतिभा है, उसका उपयोग समाज की भलाई और सेवा के लिए किया जाना चाहिए। रॉनी रोड्रिग्स मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं, जो हमेशा समाज की भलाई के लिए खड़े रहते हैं। मैं उनके समर्थन के लिए तहे दिल से धन्यवाद देता हूं।"

डॉ. भाग्यश्री की मां ने भी कहा कि भाग्यश्री इस उपलब्धि की हकदार हैं, वह टैलेंटेड हैं। मैं यहां आए सभी मेहमानों का शुक्रिया अदा करती हूं।

इस कार्यक्रम के पीआर को मुंडे मीडिया ने बहुत अच्छे से हैंडल किया।

हर तरह के इमोशन में इंसान को सुकून देता है संगीत : म्युजिक डायरेक्टर शाहजहां शेख सागर

संगीत का शौक ऐसा होता है कि इंसान जल्दी इसके जादू से निकल ही नहीं पाता है। कुछ ऐसा ही म्युज़िक का ख़ुमार म्युज़िक डायरेक्टर शाहजहां शेख सागर के सिर चढ़कर बोलता है। उन्हें संगीत का जुनून है और वर्षो से वह गीत संगीत से जुड़े हुए हैं।

कोलकाता के रहने वाले संगीतकार शाहजहां शेख सागर ने शास्त्रीय संगीत की बाकायदा तालीम हासिल की है। उनके गुरु पियूष कांतपाल से उन्होंने काफी कुछ सीखा। कई संगीतकारों के साथ 1991 से 2000 तक उन्होंने असिस्टेंट और एसोसिएट के तौर पर कार्य किया। फिर उनकी संगीत यात्रा में एक ब्रेक आ गया और कई वर्षों के अंतराल के बाद 2014 से उन्होंने फिर से संगीत के क्षेत्र में कदम रखा। कई अल्बम और फिल्मों के द्वारा अपने संगीत को लोगों तक पहुंचाया।

वह कहते हैं "संगीत एक मेडिसिन के रूप में इंसान को सहारा देता है। कोई प्यार में हो, या किसी का दिल टूट गया हो, हर तरह के इमोशन में म्युज़िक एक सुकून का काम करता है। हम संगीत के जरिये लोगों के दिलों में उतरना चाहते हैं।" किस सिंगर के साथ काम करने में वह सहज महसूस करते हैं, शाहजहां शेख सागर कहते हैं "हमने आशा भोंसले, कुमार शानू, अल्का याग्निक, जुबीन नौटियाल, शान, श्रेया घोषाल सहित देरों सिंगर्स के साथ काम किया, मगर राज बर्म न, जुबीन नौटियाल, कुमार शानू के साथ काम करने का अपना एक अलग आनंद होता है, इनसे काफी कुछ सीखने को मिलता है। पहले की मेलोडो गीतों का जादू आज भी बरकरार है। आप देखिए रफ़ी साहेब के गाने, मुकेश, मन्नाडे, किशोर कुमार जी के गाने, 90 के दशक के गीत आज भी लोगों के दिल दिमाग मे गूंजते रहते हैं।" कुछ दिन पहले उनकी फिल्म डेढ़ लाख का दूल्हा, जी लेने दो एक पल और ज़ी म्यूजिक के एल्बम आ भी जाओ ना, जिस वक़्त तेरा चेहरा और खान साहेब की पार्टी है इस तरह के प्रोजेक्ट आ चुके हैं जिसके गाने गए है सिंगर अमित मिश्रा, नकाश अज़ीज़, रितु पाठक, तरन्नुम मालिक, श्रेया घोषाल, पालक मुछाल और अरमान मालिक और कई फिल्में आ रही हैं, इनके आने वाले फिल्म लव स्कोप जिनके निर्देशक है सनी कुमार और निर्मा ताहै प्रवीण भाई पटेल है ये फिल्म बहुत जल्द सिनेमा घरो में रिलीज़ हो जाएगी।

राज बर्म न यासिर देसाई, जुबीन के साथ वह कई प्रोजेक्ट्स कर रहे हैं। जी म्युज़िक से शाहजहां शेख सागर* का एक सॉन्ग आने वाला है, जिसके सिंगर राज बर्म न हरमान नाज़िम, निर्देशक सनी कुमार, गीतकार अहमद सिद्दीकी और रहीमा ए सिद्दीकी हैं। ये बहुत ही मेलोडियस सॉन्ग है जो दर्शकों को अवश्य पसन्द आएगा।

शिक्षक भर्ती घोटाला: प्रधानमंत्री मोदी से शिकायत कर दूंगा... सीबीआई पर भड़के कलकत्ता हाईकोर्ट के जज

पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाला मामले की जांच कर रही सीबीआई की लापरवाही और सुस्त जांच को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान सख्त नाराजगी जताई। न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय की एकल पीठ ने जांच में शामिल अधिकारियों की संपत्ति का ब्यौरा मांगा। न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें सीबीआई पर बिल्कुल भरोसा नहीं रह गया। ऐसा लगता है कि जैसे लंदन की जांच संस्था एमआई-5 को बुलाना होगा। ऐसा लगता है कि जैसे मुझे यह जांच करनी पड़ेगी। वहीं न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय ने एजेंसी को सात दिनों में एक रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश दिया है और ऐसा नहीं करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिकायत करने की चेतावनी दी है। इससे पहले मंगलवार को पश्चिम बंगाल में बहुचर्चित शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को कलकत्ता हाईकोर्ट ने जमकर फटकार लगाई थी। लापरवाही बरतने पर नाराज न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय ने एक अधिकारी को जांच से हटा दिया था। साथ ही कहा था कि फाइल को बिल्कुल छुना मत।

जानकारी के मुताबिक, प्राथमिक शिक्षक नियुक्ति संबंधी मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने कहा था कि बिना देरी किए जांच अधिकारी सोमनाथ विश्वास है, जांच से हटाना होगा। हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने प्राथमिक शिक्षक भर्ती घाटाला मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है, उसमें सोमनाथ भी हैं। सीबीआई सूत्रों ने बताया है कि सोमनाथ इंस्पेक्टर रैंक का अधिकारी हैं। जांच में जो जिम्मेदारी उनको दी गई थी, उसमें उन्होंने लापरबाही बरती। इसके साथ ही उन पर कई और गंभीर आरोप भी लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक उन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने जांच को गलत दिशा में मोड़ने की भी कोशिश की है।

'सोनिया गांधी को हमने नहीं भेजी कोई चिट्ठी, किसी ने फजीर्वाड़ा किया है', सिद्धारमैया ने दी सफाई

कर्ना टकके पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को दावा किया कि उनके नाम से कांग्रेस आलाकमान को भेजा गया पत्र फर्जी था। कन्नड़ में लिखा गया कथित पत्र, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) की अध्यक्ष सोनिया गांधी को संबोधित किया गया था, जिसमें टिकटों को लेकर मतभेदों के कारण पार्टी रैंकों के भीतर संभावित विद्रोह के बारे में जानकारी दी गई थी। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने कन्नड़ में कथित पत्र को साझा करते हुए ट्वीट किया कि हमारी पार्टी के कार्यकर्ता ओं के बीच भ्रम पैदा करने के इरादे से पत्र लीक किया गया है, जो अगले चुनाव में जीत की राह पर है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे सिद्धारमैया सिद्धारमैया ने आगे दावा किया कि पत्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के साथ उनके संबंध को बिगाड़ने के उद्देश्य से जारी किया गया और सूचित किया कि वह पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे। उन्होंने दोहराया कि कुछ बदमाशों ने मेरे और केपीसीसी अध्यक्ष के बीच संबंध खराब करने के दुर्भा वनापूर्ण इरादे से ऐसा किया। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि इस पत्र से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। सिद्धारमैया के भाजपा में शामिल होने की अटकलें चल रही थीं दरअसल, सिद्धारमैया के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की अटकलें चल रही थीं, जब उन्होंने श्रीनगर में भारत जोड़ो यात्रा के फाइनल से खुद को अलग कर लिया था। आगामी विधानसभा चुनावों के लिए टिकट बंटवारे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कर्ना टक प्रमुख डीके शिवकुमार के बीच अनबन की खबरें आ रही थीं। हालांकि, कांग्रेस नेता ने पहले स्पष्ट कर दिया था कि अगर उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष या प्रधानमंत्री का पद दिया जाता है तो भी वह भाजपा में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि मेरा शव भी भाजपा के खाते में नहीं जाएगा। कर्ना टकके पूर्व सीएम ने पहले केंद्रीय बजट की आलोचना की और कहा कि इसने बेरोजगार लोगों और उन किसानों को कोई सहायता नहीं दी जो कोविड-19 से प्रभावित थे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कानून बनाना संसद की संप्रभुता, हम दखल नहीं देंगे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कानून बनाना संसद की संप्रभुता है, हम इसमें दखल नहीं देंगे। इस टिप्पणी के साथ शीर्ष अदालत ने एक उम्मीदवार को दो विधानसभा या संसदीय क्षेत्र से एकसाथ चुनाव लड़ने से रोकने की मांग पर विचार करने से इन्कार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा, कई कारणों से उम्मीदवार विभिन्न सीटों से चुनाव लड़ सकते हैं। यह संसद की संप्रभुता के दायरे में आने वाली विधायी नीति का प्रश्न है। आखिर यह संसद की इच्छा है कि राजनीतिक लोकतंत्र को इस तरह का विकल्प देकर आगे बढ़ाया जाए या नहीं। उसे ही तय करने दिया जाए। पीठ ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-33(7) को असांविधानिक मनमाना या वोटरों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाला घोषित करने से इन्कार कर दिया। यह धारा उम्मीदवार को दो सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति देती है। वहीं, धारा-70 कहती है कि दोनों सीटों पर जीत दर्ज करने के बावजूद उम्मीदवार एक सीट ही अपने पास रख सकता है।याचिकाकर्ता की दलील अखिल भारतीय छवि दिखाने को नेता दो जगह से लड़ते हैं चुनाव याचिकाकर्ता के वकील गोपाल शंकरनारायण : किसी राष्ट्रीय पार्टी का नेता अपनी अखिल भारतीय छवि दिखाने के इरादे से दो जगह से चुनाव लड़ जाता है। इन उम्मीदवारों से अधिक राशि जमा करवाई जानी चाहिए क्योंकि दोनों सीटों से जीतने पर उपचुनाव कराना होगा, जिससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। पीठ का जवाब यह अनैतिकता नहीं... संसद को लगता है तो कानून संशोधित करे पीठ : ऐतिहासिक शख्सियतों की लोकप्रियता देखते हुए इसमें अनैतिकता नजर नहीं आती। 1996 से पहले एक प्रत्याशी कितनी भी सीटों से चुनाव लड़ सकता था। 1996 में इस संख्या को दो करते हुए कानून में संशोधन किया गया था। अगर संसद को लगता है तो वह कानून में फिर संशोधन कर सकती है। न्यायिक हस्तक्षेप अनुचित है। विधि आयोग की रिपोर्ट दो जगह से चुनाव लड़ने से सरकारी खजाने पर बोझ विधि आयोग ने एक रिपोर्ट में माना है कि दो सीटों से एक प्रत्याशी को अनुमति देना सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ है। वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की जनहित याचिका में इसी रिपोर्ट को आधार बनाया गया है। हालांकि पीठ ने कहा, यह एक नीतिगत मामला है और राजनीतिक लोकतंत्र का मुद्दा है। इस पर संसद को फैसला करना है। अदालतों, न्यायाधिकरणों में एकत्र राशि बैंकों में जमा करने के दिशा-निर्देश बनें सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों, न्यायाधिकरणों से उनकी रजिस्ट्री में एकत्रित राशि को अनिवार्य रूप से बैंक या किसी वित्तीय संस्थान में जमा करने के लिए दिशा निर्देश बनाने को कहा है। शीर्ष अदालत का यह निर्देश कोर्ट के पास वादियों की ओर से किए गए भुगतान की राशि पर भविष्य में ब्याज के नुकसान से बचने के लिए जारी किया।

मुझमें दबाव झेलने की क्षमता विकसित हुई : पांड्या

- धोनी की तरह भूमिका निभाना मेरी जिम्मेदारी: हार्दिक

भारत के स्टारहरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या का मानना है कि उनमें दबाव झेलने की क्षमता विकसित हो गई है और उन्हें टीम के लिए महान महेंद्र सिंह धोनी की तरह भूमिका निभाने में कोई परेशानी नहीं है। इस 29 साल के ऑलराउंडर को आतिशी बल्लेबाजी के जाना जाता है लेकिन हाल में श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाओं में टीम की अगुवाई करने वाले इस खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने पारी को संभालना सीख लिया है। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के बाद के चरण में ऐसी भूमिका निभाया करते थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 168 रन की जीत के साथ श्रृंखला को 2-। से अपने नाम करने वाले भारतीय कप्तान ने कहा, मुझे दूसरे तरीके से जिम्मेदारी लेनी है। जहां मैं हमेशा साझेदारी में विश्वास करता हूं। मैं अपनी टीम और दूसरे अधिक भरोसा और आश्वासन देना चाहता हूं कि कम से कम मैं वहां मौजूद हूं। उन्होंने कहा, मैंने इस टीम (टी20 अंतरराष्ट्रीय) में शामिल अन्य खिलाड़ियों के मुकाबले अधिक क्रिकेट खेला है। ऐसे में अनुभव से मैंने दबाव को झेलने के साथ यह सुनिश्चित करना सीखा है कि हर परिस्थिति मे टीम में माहौल शांत रहे। धोनी को उनके शांत व्यवहार के लिए जाना जाता है और हार्दिक का मानना है कि अब यह उनकी जिम्मेदारी है कि वे एक बल्लेबाज के रूप में दिग्गज विकेटकीपर की जगह लें। वह इस भूमिका को निभाने के लिए अपने स्ट्राइक-रेट को कम करने लिए तैयार हैं। हार्दिक ने कहा, इस तरह, शायद मुझे अपना स्ट्राइक रेट कम करना होगा या नई चुनौती स्वीकार करनी होगी। यह कुछ ऐसा है जिसे होते हुए मैं देख रहा हूं। मुझे इस तरह की भूमिका निभाने में कोई आपत्ति नहीं है जैसा की माही भाई (धोनी) करते थे। हार्दिक ने 87 टी20 मैचों में 142.17 के स्ट्राइक रेट से 1271 रन बनाए हैं। हार्दिक ने कहा, इमानदारी से कहूं तो मुझे छक्के लगाना पसंद है लेकिन एक खिलाड़ी के तौर पर आपको बेहतर होते रहना होता है। मुझे कुछ और भूमिका निभानी है और मैं बल्लेबाजी के समय साझेदारी में विश्वास करता हूं। हार्दिक ने तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करते हुए चार विकेट झटके।

तकनीकी और रणनीतिक तौर पर मेरी यह पारी पूर्णता के करीब थी: गिल

अहमदाबाद। युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा कि उनकी 63 गेंदों मे नाबाद 126 रन की पारी रणनीतिक और तकनीकी रूप से पूर्ण बल्लेबाजी के करीब थी। गिल की इस पारी के दम पर भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मे 168 रन के विशाल अंतर से शिकस्त देकर तीन मैचो की श्रृंखला को 2-। से जीता। गिल ने खेल के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप मे अपने पहले शतक के दौरान 12 चौके और सात छक्के लगाए। भारत ने इस मैच मे चार विकेट पर 234 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड को 12.1 ओवर मे 66 रन पर आउट कर दिया। गिल ने बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की वेबसाइट पर जारी कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ बातचीत के वीडियो मे कहा, मै जिस तरह से बल्लेबाजी करता हूं उसके लिए मानसिक स्पष्टता की जरूरत होती है। और आप ने खासकर आज मुझे उस तरह की आजादी दी। आप ने कहा था, जैसा मै खेलता हूं वैसा ही खेलूं और कुछ अतिरिक्त करने की जरूरत नही है। मुझे लगता है कि यह छोटी-छोटी चीजे काफी मदद करती है। मिशेल सैटनर के आखिरी ओवर मे, मै पूरी तरह से लय मे था और मैने बड़ा शॉट खेलने का मन बनाया था लेकिन आप ने मुझे खुद को रोकने और दूसरे गेंदबाज के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाने की सलाह दी क्योंकि सैटनर ने पूरी श्रृंखला मे अच्छी गेंदबाजी की थी। ऐसे मे रणनीतिक और तकनीकी तौर पर यह मैच मेरे लिए पूर्णता के करीब था। मैन ऑफ द सीरीज हार्दिक ने इस मैच मे चार विकेट झटके। गिल ने जब इस बारे मे पूछा तो उन्होने कहा, ईमानदारी से कहूं तो चार विकेट खेल का हिस्सा है, लेकिन मुझे लगता है कि अगर मै गलत नही हूं तो मैने 145 (किमी प्रति घंटे) की रफ्तार से गेंदबाजी की और इस रफ्तार ने मुझे खुशी और मुस्कान दी जो आप देख सकते है। यह मेरा आखिरी (मौजूदा सत्र मे भारतीय टीम के लिए) मैच है। इसके बाद मै ब्रेक पर जा रहा हूं।

आस्ट्रेलिया से टेस्ट की तैयारी : नागपुर पहुंचे खिलाड़ी

भारत में अच्छी पिच मिली तो जीतेगा ऑस्ट्रेलिया: हीली

ऑस्ट्रेलियापूर्व दिग्गज विकेटकीपर इयान हीली ने कहा कि भारत दौरे पर अगर पिच पूरी तरह से स्पिनरों की मददगार हुई तो घरेलू टीम का पलड़ा भारी होगा लेकिन अगर पिच बल्लेबाजी और गेंदबाजी के लिए अच्छी हुई तो उनकी टीम के पास जीत दर्ज करने का मौका होगा। दोनों टीमें चार मैचों की बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट श्रृंखला में नौ फरवरी से नागपुर में आमने सामने होगी। हीली ने एसईएनक्यू ब्रेकफास्ट से कहा, अगर वह ऐसी पिच तैयार करते हैं जो शुरुआत में बल्लेबाजी के लिए अच्छी हो और खेल के आगे बढ़ने के साथ स्पिनरों की मददगार हो तो ऑस्ट्रेलिया के जीतने की संभावना अधिक होगी। उन्होंने कहा, मैं पहले टेस्ट के लिए (मिचेल) स्टार्क और (नाथन) लियोन को लेकर चिंतित हूं। अगर वहां की पिच वैसी हुई, जैसा कि हमने पिछले दौरे में देखा था तो भारतीय टीम अच्छी स्थिति में होगी। उस समय पहले दिन से ही गेंद असामान्य उछाल ले रही थी और रूक कर आ रही थी। मुझे लगता है कि ऐसी परिस्थितियों में भारतीय टीम हमसे बेहतर है। हीली ने टीम के युवा खिलाड़ियों से दबाव झेलने और क्षेत्ररक्षण में कम गलतियां करने की सलाह दी। मैं चाहता हूं खिलाड़ी उस दबाव (स्थानीय टीम से) से बचने की जगह डटकर उसका सामना करें। भारत में 10 विकेट झटकने के लिए आपको 10 मौके ही मिलेंगे जबकि ऑस्ट्रेलिया में गेंद की उछाल और गति से आप 13 मौके बना सकते है। ऐसे में क्षेत्ररक्षण करते ऑस्ट्रेलिया में आप चूक कर सकते है लेकिन भारत में यह काफी महंगा पडेगा। ऑस्ट्रेलिया ने भारत में 2004 के बाद कोई टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती है। टीम नौ फरवरी से नागपुर के बाद नई दिल्ली (17 से 21 फरवरी), धर्मशाला (एक से पांच मार्च) और अहमदाबाद (नौ से 13 मार्च) में मैच खेलेगी।

भारत में आस्ट्रेलिया की सफलता में स्पिन की होगी अहम भूमिका : मैक्डोनाल्ड

बेंगलुरू। आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड का मानना है कि आगामी बोर्डर-गावस्कर ट्राफी के चार टेस्ट मैचो मे उनकी टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती भारतीय स्पिनरो से निबटना होगी। आस्ट्रेलियाई टीम अभी नौ फरवरी से नागपुर मे होने वाले पहले टेस्ट मैच की तैयारियो मे लगी है। मैक्डोनाल्ड ने इससे पहले अपने बल्लेबाजो को आगाह करते हुए कहा कि उन्हे स्लाइड स्पिन से निबटने के लिए अपने खुद के तरीके ढूंढने होगे। आस्ट्रेलिया ने अभ्यास मैच खेलने के बजाय खुद ही अभ्यास करने को प्राथमिकता दी है। मैक्डोनाल्ड ने बुधवार को टीम के बेंगलुरू रवाना होने से पहले कहा, मेरा मानना है की नई गेंद अधिक स्लाइड होती है। हम इसके लिए तैयारी कर रहे है। यह स्लाइड स्पिन है। पूरी संभावना है कि हमारे सलामी बल्लेबाजो को शुरू मे स्पिन गेंदबाजो का सामना करना पड़ेगा, इसलिए अभ्यास के दौरान इस पर विशेष गौर किया जा रहा है तथा बल्लेबाजी कोच डिवा (माइक्ल डि वेटो) इसमे अहम भूमिका निभा रहे है। सफलता की कुंजी इस तरह की गेंदबाजी को खेलने के लिए स्पष्टता होना है। यह व्यक्तिगत और परिस्थितियो पर निर्भर करेगी। आस्ट्रेलिया की टीम अभी यहां अलूर मे अभ्यास कर रही है। हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे है कि बल्लेबाजो की अपने तरीके को लेकर स्पष्ट राय हो। आपको वैसी ही परिस्थितियां नही मिलेगी जैसी मैच मे होती है और किसी क्रिकेट दौरे से इस तरह की जटिलताएं जुड़ी होती है।

सैफ अंडर-20 महिला चैंपियनशिप : भारत का पहला मैच भूटान से

ढाका। भारत की टीम सैफ अंडर-20 महिला चैंपियनशिप के अपने पहले मैच मे शुक्रवार को यहां भूटान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। भारत को इस प्रतियोगिता मे खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। उसकी टीम मे अधिकतर खिलाड़ी वे ही है जो पिछले साल फीफा अंडर-17 विश्व कप मे खेली थी।

बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लि एबेल, रेहान अहमद इंग्लैंड की टीम में

लंदन। इंग्लैंड ने बांग्लादेश के वनडे और टी20 के आगामी दौरे के लिए 28 वर्षीय बल्लेबाज टॉम एबेल के स्थ मे टीम मे नया चेहरा शामिल किया है। श्रृंखला का पहला मैच वनडे के स्थ मे एक मार्च को ढाका मे खेला जाएगा। श्रीलंका ए के खिलाफ 15 फरवरी से होने वाली अनधिकृत वनडे श्रृंखला के लिए इंग्लैंड लायन्स के कप्तान एबेल के अलावा किशोर लेग स्पिनर रेहान अहमद को भी इंग्लैंड की सीमित ओवरो की टीम मे शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज साकिब महमूद की भी वनडे टीम मे वापसी हुई है। वह पीठ की चोट के कारण टीम से बाहर थे।

भारत की निगाहें डेविस कप प्लेऑफ मुकाबले में रुने की चुनौती से निपटने पर

हिलरोड (डेनमार्क)। भारतीय डेविस कप टीम के लिए विश्व ग्रुप एक में अपना स्थान बचाना चुनौतीपूर्ण होगा जब उसका सामना शुक्रवार से डेविस कप प्लेऑफ मुकाबले में होल्गर रूने की अगुआई वाली डेनमार्क से होगा। भारतीय टीम में एक भी खिलाड़ी ऐसा नहीं है जो शीर्ष 300 में शामिल हो जबकि दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी रूने की मौजूदगी विश्व ग्रुप एक में मेजबान टीम को बरकरार रखने के लिए दावेदार बनाएगी। भारत ने मार्च 2022 में दिल्ली में डेनमार्क को 4-0 से हराया था लेकिन 19 साल के रूने के होने से टीम की स्थिति अब काफी अलग होगी जो पिछले महीने आस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में पहुंचे थे और उन्होंने 2022 में तीन एटीपी खिताब जीते थे। भारत को रूने से निपटने के लिए बेहतरीन रणनीति तैयार करनी होगी और डेनमार्क में निचली रैंकिंग के खिलाड़ियों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन दिखाना होगा जिसमें ऑगस्ट होल्मग्रेन (484 रैंकिंग) और एल्मर मोलर (718 रैंकिंग) शामिल हैं। टीम ने युकी भांबरी को पहले दिन उतारने का फैसला किया है ।जो देश के दूसरी सबसे उंम्री रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं ताकि सुमित नागल नंबर एक खिलाड़ी के तौर पर उतर सकें। होल्मग्रेन की रैंकिंग भले ही कम हो लेकिन उन्हें हराना आसान नहीं होगा। युगल मैच काफी अहमियत रखता है और रोहन बोपन्ना को अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए टीम की अगुआई करनी होगी। वर्ष 2019 में नए प्रारूप को शुरू किया गया था।

कर्नाटक सेमीफाइनल के करीब

- रणजी राउंडअप
- गोपाल के करियर के सर्वश्रेष्ठ 161 रन

आल राउंडर श्रेयस गोपाल की करियर की सर्वश्रेष्ठ 161 रन की नाबाद पारी से कर्नाटक ने गुरूवार को यहां रणजी ट्राफी क्वार्टरफाइनल में उत्तराखंड के खिलाफ पहली पारी के आधार पर 490 रन की विशाल बढ़त हासिल की। तीसरे दिन स्टंप तक उत्तराखंड की टीम दूसरी पारी में तीन विकेट पर 106 रन बना चुकी थी और अब भी 384 रन से पीछे है। दीक्षांशु नेगी और स्वप्निल सिंह 27-27 रन बनाकर खेल रहे हैं। विदवथ कावेरप्पा (22 रन देकर दो विकेट) ने उत्तराखंड की सलामी जोड़ी अवनीश सुधा (04) और जीवनजोत सिंह (24 रन) को आउट किया जबकि पदार्पण कर रहे एम वेंकटेश ने दिल्ली के पूर्व बल्लेबाज कुणाल चंदेला का विकेट झटका जो विदर्भ के खिलाफ 2016-17 फाइनल में उसके लिए खेले थे। उत्तराखंड में विकेटकीपर बल्लेबाज आदित्य तारे भी शामिल हैं लेकिन ऐसा लगता है कि टीम आठ बार की चैम्पियन कर्नाटक के खिलाफ यह मुकाबला गंवा चुकी है। कर्नाटक की टीम 2020 के बाद पहले सेमीफाइनल में पहुंचने की कोशिश में जुटी है। कर्नाटक ने पांच विकेट पर 474 रन से आगे खेलना शुरू किया। टीम की रणनीति स्पष्ट थी कि वह पारी घोषित नहीं करेगी। बीती रात के शतकवीर गोपाल ने वही लय जारी रखते हुए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 3000 रन पूरे किए।

पंजाब ने सौराष्ट्र पर पहली पारी में 128 रन की बढ़त हासिल की

राजकोट। कप्तान मंदीप सिंह की 91 रन की संयमित पारी की बदौलत पंजाब ने गुरूवार को यहां सौराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्राफी क्वार्टरफाइनल मैच मे तीसरे दिन पहली पारी मे 128 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। मंदीप ने बीती रात के 39 रन के स्कोर मे 52 रन जोड़े जिससे पंजाब की टीम 124.3 ओवर मे 431 रन बनाने मे सफल रही। सौराष्ट्र ने पहली पारी मे 303 रन बनाए थे। मंदीप ने 206 गेंद का सामना करते हुए अपनी पारी के दौरान नौ चौके और एक छक्का जड़ा। सुबह मंदीप के साथ अनमोल मल्होत्रा ने भी 77 गेंद मे 41 रन रन बनाए जिससे पंजाब ने गुरूवार को 33.4 ओवर मे 104 रन जोड़े। धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने 41.3 ओवर मे 109 रन देकर पांच विकेट झटके, उन्होने गुरूवार को तीन और बुधवार को दो विकेट प्राप्त किए। सौराष्ट्र ने स्टंप तक दूसरी पारी मे 54 ओवर खेलकर चार विकेट पर 138 रन बना लिए जिससे उसकी कुल बढ़त 10 रन की हो गई। कप्तान अर्पित वसावड़ा 44 और चिराग जानी 35 रन बनाकर क्रीज पर डटे है।

झारखंड के खिलाफ बंगाल मजबूत स्थिति में

कोलकाता। बंगाल की टीम गुरूवार को यहां झारखंड के खिलाफ क्वार्टरफाइनल मैच मे तीसरे दिन शाहबाज अहमद के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत रणजी ट्राफी मे लगातार तीसरे सेमीफाइनल मे पहुंचने की ओर बढ़ रही है। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे बाएं हाथ के बल्लेबाज अहमद ने 120 गेंद मे नौ चौको और दो छक्के से 81 रन की पारी खेली और शीर्ष स्कोरर रहे जिससे बंगाल ने पहली पारी मे 328 रन का स्कोर बनाया। इससे उसने पहली पारी के आधार पर 155 रन की बढ़त हासिल की। तीसरे दिन स्टंप तक झारखंड की टीम ने दूसरी पारी मे 162 रन तक सात विकेट गंवा दिए थे और वह महज सात रन से आगे थी। तीसरे दिन कुल 11 विकेट गिरे। मैच मे दो दिन का खेल बाकी है और झारखंड के निचले क्रम के बल्लेबाज हार को कुछ देर तक टालने की कोशिश करेगे। बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाजी आल राउंडर अहमद ने गेंद से भी प्रभावित किया।

आंध्र के खिलाफ गेंदबाजों ने कराई मध्य प्रदेश की वापसी

इंदौर। आवेश खान (24 रन पर चार विकेट) के नेतृत्व मे गेंदबाजो के शानदार प्रदर्शन से मध्य प्रदेश ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मुकाबले मे गुरूवार को मैच के तीसरे दिन आंध्र की दूसरी पारी को महज 93 रन पर समेट मुकाबले मे शानदार वापसी की। पहली पारी मे 151 रन से पिछडने वाली मध्य प्रदेश को जीत के लिए 245 रन का लक्ष्य मिला और दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने बिना किसी नुकसान के 58 रन बना लिए। आंध्र के कप्तान हनुमा विहारी ने पहली पारी की तरह दूसरी पारी मे भी शानदार जज्बा दिखा और कलाई मे गंभीर चोट के बावजूद बल्लेबाजी लिए 11वे नंबर पर उतरे। दाएं हाथ के बल्लेबाज विहारी ने चोट को गंभीर होने से बचाने के लिए बाएं हाथ से बल्लेबाजी की और 15 रन का योगदान देकर टीम के स्कोर को 90 के पार पहुंचाया।

अमेरिका की राजनीति में बढ़ रहा भारतीयों का प्रभाव

- प्रमिला जयपाल, एमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति और रो खन्ना- अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की तीन प्रमुख समितियो का सदस्य बने

भारतीय-अमेरिकी सांसदों को शीर्ष पदों पर किया गया नियुक्त

भारतीय मूल के चार सांसदों- प्रमिला जयपाल, एमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति और रो खन्ना- को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की तीन प्रमुख समितियों का सदस्य नियुक्त किया गया है, जो अमेरिका की राजनीति में भारतीय समुदाय के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। एक विज्ञप्ति के मुताबिक, महिला सांसद प्रमिला जयपाल (57) को आव्रजन पर अमेरिकी संसद के निचले सदन की शक्तिशाली न्यायिक समिति का रैंकिंग सदस्य नामित किया गया है। नियुक्ति के बाद जयपाल ने कहा, अमेरिका की प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी गई पहली दक्षिण एशियाई महिला के रूप में, मैं आव्रजन पर सदन की उपसमिति की रैंकिंग सदस्य के रूप में सेवा देने का अवसर मिलने से सम्मानित महसूस कर रही हूं। जयपाल ने कहा कि जब वह अमेरिका आई थीं तब वह 16 वर्ष की थीं। साथ ही उन्होंने अमेरिका में अपने जीवन के सफर को शानदार बताया। वहीं, भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति को चीन पर नवगठित समिति का रैंकिंग सदस्य बनाया गया है, जो चीन की उन कार्वाइयों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गौर करेगी, जिससे अमेरिका और दुनिया को खतरा हो सकता है। भारतीय-अमेरिकी सांसद डॉ. एमी बेरा को खुफिया मामलों से जुड़ी सदन की एक शक्तिशाली संसदीय समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। द हाउस परमानेंट सेलेक्ट कमेटी ऑन इंटेलिजेंस पर केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए), नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर (डीएनआई) के कार्यालय, नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी (एनएसए) के साथ-साथ सेना के खुफिया कार्यक्रमों सहित देश की खुफिया गतिविधियों की निगरानी करने का प्रभार है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अल्पसंख्यक मामलों के नेता हकीम जेफरीज ने बुधवार को अमेरिका और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा पर सदन की चयन समिति के रैंकिंग सदस्य के रूप में कृष्णमूर्ति की नियुक्ति की घोषणा की।

भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना को भी इस नई समिति का सदस्य बनाया गया है। इसका गठन प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी द्वारा 118वीं कांग्रेस (संसद) में अमेरिका की चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ आर्थिक, तकनीकी व सुरक्षा संबंधी प्रतिस्पर्धा से निपटने, उसकी जांच करने व नीति विकसित करने के उद्देश्य से किया है। कृष्णमूर्ति (49) ने कहा, अमेरिका और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा पर सदन की चयन समिति में रैंकिंग सदस्य के रूप में मुझे नियुक्त करने के लिए मैं नेता जेफरीज का आभारी हूं। उन्होंने कहा, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी, अमेरिका और दुनिया भर में लोकतंत्र व समृद्धि के लिए गंभीर आर्थिक व सुरक्षा संबंधी खतरे उत्पन्न करती है, जो ताइवान के लोकतंत्र के खिलाफ उसके खतरों, टिकटॉक (एप) को एक हथियार बनाने और सैकड़ों अमेरिकी डॉलर की बौद्धिक संपत्ति की चोरी से स्पष्ट है। बेरा (57) ने कहा, मैं हकीम जेफरीज द्वारा हाउस इंटेलिजेंस कमेटी के लिए मुझे नियुक्त करने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जो अमेरिका की सुरक्षा व राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, देश और विदेश, दोनों जगह बढ़ते खतरों के बीच मुझे अमेरिकी परिवारों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है और मैं इस नई भूमिका को गंभीरता से लेता हूं।

एमक्यू 9बी प्रीडेटर आर्म्ड ड्रोन सौदे को जल्द अमली जामा पहनाना चाहते हैं भारत-अमेरिका

भारत और अमेरिका तीन अरब डॉलर से अधिक की लागत वाले 30 एमक्यू 9बी प्रीडेटर आर्म्ड ड्रोन के सौदे को जल्द से जल्द पूरा करना चाहते हैं। भारत को इससे वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) और हिंद महासागर के आसपास अपने समग्र निगरानी तंत्र को मजबूत करने में मदद मिलेगी। मामले से अवगत अधिकारियों ने विस्तृत ब्यौरा दिए बिना बुधवार को बताया कि पांच साल तक इस पर काम करने के बाद अब भारत की ओर से फैसला किया जाना है। एमक्यू 9बी प्रीडेटर आर्म्ड ड्रोन को भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा तथा रक्षा जरूरतों के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। 30 ड्रोन में से तीनों सेनाओं को 10-10 ड्रोन दिए जाएंगे। राजनीतिक सैन्य मामलों की सहायक विदेश मंत्री जेसिका लेविस ने इस सौदे में हो रहे विलंब पर किए गए एक सवाल पर कहा, मुझे इस बारे में जानकारी हासिल करनी होगी। इस सौदे की घोषणा 2017 की गर्मियों में की गई थी। ऐसा माना जा रहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान इस मुद्दे पर भी चर्चा की। डोभाल ने अपने अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन सहित कई शीर्ष अधिकारियों से यहां मुलाकात की है। ऐसा माना जा रहा है कि बैठकों में दोनों पक्ष इस बात पर सहमत दिखे कि सौदे को जल्द अंतिम रूप दिया जाना चाहिए।

भारत इसे इसलिए भी जल्द हासिल करना चाहता है क्योंकि एमक्यू 9बी प्रीडेटर आर्म्ड ड्रोन से उसे न केवल हिंद महासागर में, बल्कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भी राष्ट्रीय सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करने में मदद मिलेगी। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन जल्द से जल्द इस सौदे को अमली जामा पहनाना चाहता है।

ब्रिटेन ने किया बीबीसी की स्वतंत्रता का बचाव

कहा- भारत के साथ संबंधों में भारी निवेश

प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी पर बनाए गए विवादास्पद वृत्तचित्र के खिलाफ प्रवासी भारतीय समुदाय के व्यापक विरोध के मद्देनजर ब्रिटेन सरकार ने बीबीसी का बचाव करते हुए कहा है कि यह एक स्वतंत्र मीडिया प्रतिष्ठान है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के प्रवक्ता ने बुधवार को डाउनिंग स्ट्रीट में पत्रकारों के साथ बातचीत में इस सप्ताह के शुरू में संसद में विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली द्वारा दिए गए बयान को दोहराया, जिसमें कहा गया था कि ब्रिटेन सरकार भारत के साथ अपने संबंधों में निवेश करना जारी रखेगी। वृत्तचित्र इंडिया: द मोदी क्वेश्चन की भारत की निंदा के बारे में एक सवाल के जवाब में प्रवक्ता ने कहा, "बीबीसी अपने काम में स्वतंत्र है और हम इस बात पर जोर देंगे कि हम भारत को एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय साझेदार के रूप में मानते हैं।

आरआरआर के मेकर्स कर रहे खास प्लानिंग

एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर साल 2022 की धमाकेदार मूवी रही। फिल्म ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया। इसमें साउथ के सुपरस्टार राम चरण और जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका में नजर आए थे। इसके अलावा फिल्म में अजय देवगन और आलिया भट्ट भी नजर आई थीं। फिल्म ने इस साल कई अवॉर्ड्स भी हासिल किए हैं। फिल्म के गाने नाटू नाटू को बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग के लिए गोल्डन ग्लोब के खिताब से नवाजा गया है। इसके अलावा फिल्म को क्रिटिक्स च्वाइस ऑफ अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया है। वहीं, फिल्म की इतनी सफलता के बाद मेकर्स एक बार फिर से इसे रिलीज करने का मन बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार आरआरआर फिल्म के मेकर्स इसे एक बार फिर से सिनेमाघरों में रिलीज करने के बारे में सोच रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, इस फिल्म को दोबारा से थिएटर्स में रिलीज किया जा सकता है। जिसके लिए थिएटर की लिस्ट, भाषा और टाइम पर प्लान बनाया जा रहा है। आपको बता दें कि फिल्म के गाने नाटू नाटू को ऑस्कर के लिए नॉमिनेट किया गया है। फिल्म के गाने को खूब सफलता हासिल हुई है। इसे एमएम कीरवानी द्वारा कंपोज किया गया है। वहीं, हाल ही में कीरवानी को पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया था।

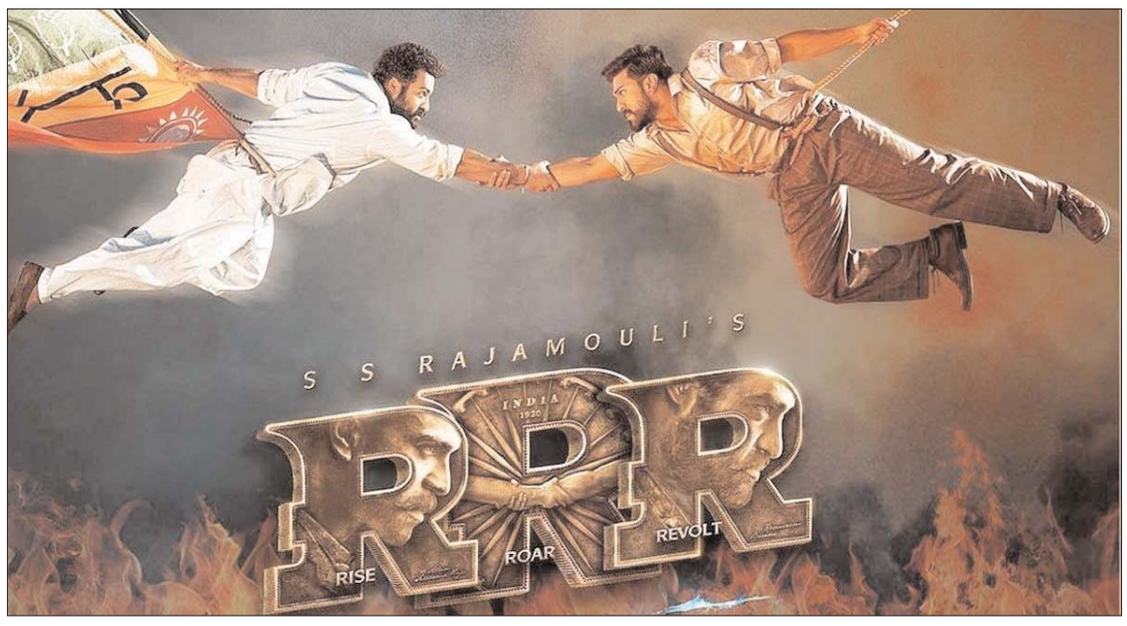

फिल्म को मिले कई अवॉर्ड्स

आपको बता दें कि फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली ने किया है। वहीं, फिल्म का लेखन विजयेंद्र प्रसाद के द्वारा किया गया है। फिल्म की रिलीज के बाद से इसकी सफलता थमने का नाम नहीं ले रही है। आरआरआर के कई अवॉर्ड्स जीतने के बाद सभी लोगों ने इसकी खूब तारीफ की थी। साथ ही बॉलीवुड के कलाकारों ने भी फिल्म को खूब सराहा। वहीं, गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड जीतने पर देश के प्रधानमंत्री मोदी ने भी आरआरआर की पूरी टीम को बधाई दी थी। वहीं, फिल्म ने वैश्विक स्तर पर 1200 करोड़ से भी ज्यादा कमाई की थी।

परेश रावल को मिली हाई कोर्ट से बड़ी राहत

बॉलीवुड अभिनेता और भाजपा नेता परेश रावल को कलकत्ता हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। उच्च न्यायालय ने तलतला पुलिस को परेश की ओर से बंगालियों के लिए मछली पकाओ टिप्पणी के लिए कोई कठोर कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया है, क्योंकि परेश ने इस पर पहले ही माफी मांग ली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कोर्ट ने आदेश दिया है कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए परेश से इस मामले में पूछताछ की जा सकती है। वहीं, अदालत अब इस मामले की अगली सुनवाई छह फरवरी को करेगी।

बता दें कि पिछले साल गुजरात चुनाव के दौरान परेश रावल ने भी भाजपा की तरफ से राज्य में चुनावी रैलियां की थीं। इस दौरान वह अपने एक बयान की वजह से सुर्खियों में आ गए थे। उनके बयान के बाद अभिनेता पर बंगालियों का अपमान करने के आरोप लगे थे। विवाद बढ़ने के बाद परेश ने सोशल मीडिया पर माफी भी मांग ली थी। उन्होंने सफाई देते हुए कहा था कि उनका यह बयान अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के संदर्भ में था। इन सब के बाद परेश रावल के खिलाफ केस भी दर्ज कराया गया। साथ ही, जब इस भाषण का वीडियो वायरल हुआ तो परेश को नेटिजंस के गुस्से का सामना करना पड़ा था। वर्क फ्रंट की बात करें तो परेश आखिरी बार फिल्म शर्माजी नमकीन में नजर आए थे। ऋषि कपूर के अचानक निधन की वजह से उन्हें कुछ सीन के लिए इस फिल्म में कास्ट किया गया था। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वह जल्द ही शहजादा में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन और कृति सेनन ने लीड रोल निभाया है। फिल्म में परेश भी अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 17 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

कई मौको पर साथ में स्पॉट हो चुके हैं

सारा-शुभमन

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान और क्रिकेटर शुभमन गिल अपनी डेटिंग की खबरों की वजह से काफी लंबे समय से सुर्खियों बटोर रहे हैं। हालांकि, दोनों ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधी हुई है। सारा और शुभमन कई मौको पर एक दूसरे के साथ स्पॉट हो चुके हैं। इसके बाद भी उन्होंने अपने रिश्ते को लेकर मीडिया में कभी कुछ कहा नहीं है। अब दोनों सितारें एक बार फिर से अपने रिश्ते को लेकर लाइमलाइट में आ गए हैं। दरअसल, दोनों की एक तस्वीर बीते दिन से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस तस्वीर के वायरल होने की वजह से दोनों का रिश्ता एक बार फिर से सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। क्रिकेटर शुभमन गिल ने बीते दिन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ 20 मैच में शतक जमाया था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर हर तरफ उनके चर्चे हो रहे थे। इस बीच उनकी और सारा अली खान की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गयी। तस्वीर में क्रिकेटर अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड सारा के साथ एयरपोर्ट पर बैठकर उनसे बात करते नजर आ रहे है। दोनों की यह तस्वीर देखते ही देखते सोशल मीडिया पर एक हॉट टॉपिक बन गई। लोगों ने यह भी कयास लगाने शुरू कर दिए कि सारा अली खान इस समय अहमदाबाद में शुभमन गिल के साथ है। हालांकि यह सभी बातें आखिर में अफवाह निकली। बता दें, यह तस्वीर बहुत पुरानी है और यह दोनों सितारों की है भी या नहीं इस बात की भी पुष्टि नहीं हुई है। सारा अली खान और शुभमन गिल इससे पहले कई मौको पर साथ में स्पॉट हो चुके हैं। जब-जब दोनों सितारें एक साथ स्पॉट हुए हैं, तब-तब सोशल मीडिया पर भूचाल सा आ गया है। दोनों की डेटिंग की खबरें उस समय पहली बार सामने आई थी तब दोनों को एक साथ मुंबई के एक होटल में डिनर डेट के दौरान स्पॉट किया गया था। इसके बाद दोनों की फ्लाइट में एक-साथ बैठे हुए एक वीडियो वायरल हुई थी। इस बीच क्रिकेटर ने एक चैट शो के दौरान सारा अली खान को डेट करने को लेकर हिंट दिया था। अब दोनों की साथ में पुरानी फोटो वायरल हो रही है।

बॉलीवुड...

यश चोपड़ा ने कभी नहीं की विदेशी फिल्मों की नकल

हिन्दी सिनेमा में दिग्गज फिल्म निर्माता यश चोपड़ा का नाम बुलंदियों पर है। बॉलीवुड में यश चोपड़ा के बैनर की फिल्मों को आज तक कोई भी बीट नहीं कर पाया है। ये फिल्में सदाबहार है और बॉलीवुड की पहचान है। वीर-जारा, डर, दिल तो पागल है, सिलसिला, कभी कभी और जब तक है जान जैसी फिल्मों ने बॉलीवुड का लोहा दुनिया के सामने मनवाया है। आज भले ही यश चोपड़ा हमारे बीच नहीं है लेकिन जिस तरह से उन्होंने मोहब्बत की परिभाषा को बड़े पर्दे पर पेश किया है उसने हमारे समाज में प्यार के स्तर को और उंचा किया है। प्यार पाने का नाम नहीं बल्कि त्याग है, प्यार में मिटना नहीं जीना होता है, सच्ची मोहब्बत लोगों को आबाद करती है बर्बाद नहीं... प्यार की ऐसी कई परिभाषाओं को यश जी ने बड़े पर्दे के माध्यम से लोगों के दिलों में जगाया है। आज भी लोग बड़े ही चाव से ये फिल्में देखते हैं। फिल्म इंडस्ट्री दिग्गज यश चोपड़ा के रोमांटिक नजरिये पर अब एक डॉक्यूमेंट्री बनायी गयी है। इस डॉक्यूमेंट्री का नाम- द रोमांटिक है। इसे वैलेनटाइन डे के दिन 14 फरवरी को रिलीज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा। यश चोपड़ा की फिल्मों में काम कर चुके सितारों से उनके अनुभवों के बारे में बात की है। डॉक्यूमेंट्री में आप देखेंगे कि कैसे अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, सलमान खान, करण जौहर, रानी मुखर्जी और आमिर खान जैसी नामी बॉलीवुड हस्तियों ने यश चोपड़ा के साथ काम किया। सभी सितारों ने अपने अलग-अलग अनुभवों को साझा किया और कुछ खास घटनाओं का भी जिक्र किया है। द रोमांटिक का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इस ट्रेलर में आप आने वाली डॉक्यूमेंट्री की झलकियां देख सकते हैं। सितारों को यश चोपड़ा के साथ अपने किस्सों को साझा करते हुए देख सकते हैं। विलप में शाहरुख खान से लेकर काजोल, अभिषेक बच्चन, अमिताभ बच्चन, सलमान खान और ऋतिक रोशन तक कई हस्तियां यश राज फिल्म्स के बारे में बात करती है। उन्होंने कई फिल्मों के लिए प्रोडक्शन हाउस के तहत काम किया है। अभिषेक बच्चन कहते हैं, भारत से बाहर आने वाली फिल्में हमारी संस्कृति के लिए पूरी तरह से अनूठी हैं। यश जी किसी और की तरह बनने की कोशिश नहीं करते थे। करण जौहर अगले दृश्य में दिखाई देते हैं और बताते हैं कि कैसे यश चोपड़ा की फिल्मों ने उनके शुरुआती वर्षों के दौरान उनका ध्यान खींचा। यश और आदित्य चोपड़ा दोनों के साथ काम करने वाले अमिताभ ने कहा, वह एक युवा निर्देशक थे जो अलग-अलग फिल्में बनाना चाहते थे।

शहजादा में कार्तिक देंगे सलमान को सम्मान

अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म शहजादा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। मेकर्स फिल्म को फरवरी में रिलीज करने जा रहे थे। हालांकि, पठान की सफलता के कारण फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव किया गया। पहले 'शहजादा' 10 फरवरी को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह 17 फरवरी को रिलीज होगी। मूवी से जुड़ी एक और जानकारी सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म में कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के दबंग खान को एक बेहतरीन गाना डेडिकेट करते नजर आएंगे।

बताया जा रहा है कि सलमान खान और अभिनेत्री असिन की फिल्म रेडी का गाना कैरेक्टर ढीला शहजादा मूवी में नजर आने वाला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कार्तिक आर्यन कैरेक्टर ढीला 2.0 गाना दबंग खान को डेडिकेट करने वाले हैं। फिल्म के निर्माता सलमान के इस गाने को दोबारा से बनाने का प्लान कर रहे थे, जिसे अब फाइनल कर दिया है। शहजादा के निर्माता का कहना है कि सलमान खान की रेडी की तरह उनकी यह फिल्म बेहद मनोरंजक है, जो कि दर्शकों को हंसाने के साथ एंटरटेन भी करेगी। इसी कारण से उन्होंने इस गाने को दोबारा बनाने के बारे में सोचा। वहीं, इस गाने को बॉस्को कोरियोग्राफ करेंगे। फिल्म निर्माता का मानना है कि यह गाना भी सलमान के गाने की तरह सुपरहिट रहेगा।

17 फरवरी को रिलीज होगी फिल्म

बात करें कार्तिक आर्यन की तो वह बीते दिनों आमिर खान के साथ भोपाल में नजर आए थे। इस शादी के दौरान कार्तिक और आमिर एक साथ थिरकते हुए दिखाई दिए। बता दें कि फिल्म शहजादा को लेकर कार्तिक बेहद एक्साइटेड हैं। मूवी में कार्तिक आर्यन के साथ कृति सेनन नजर आने वाली हैं। फिल्म के निर्माता रोहित धवन हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में 17 फरवरी को रिलीज होगी।

फिर हवा में कार उड़ाने लगे रोहित शेट्टी

एक्शन कॉमेडी फिल्मों के निर्माता रोहित शेट्टी के लिए साल 2022 बेहद खराब रहा। उनकी फिल्म सर्कस बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई। इसके बाद रोहित शेट्टी अपनी आने वाली फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर कमबैक के लिए तैयारी कर रहे हैं। निर्माता इन दिनों अपनी आने वाली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स को लेकर काफी व्यस्त हैं। वेब सीरीज के शूटिंग सेट से उन्होंने एक वीडियो साझा किया है। रोहित शेट्टी ने अपनी आने वाली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स को लेकर काफी व्यस्त है। वहीं, उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है। रोहित शेट्टी ने इंडियन पुलिस फोर्स वेब सीरीज का एक छोटा सा क्लिप साझा किया है। इस वीडियो क्लिप में कार फ्लिप करते हुए नजर आ रही है। वीडियो में पीले रंग की कार उड़ती हुई दिखाई दे रही है। रोहित शेट्टी ने इस वीडियो को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है-पुराने काम पर वापसी, अब आने वाले दो साल फाड़ देंगे। इस तरह चलती हुई कार फ्लिप होती है। नो विजुअल इफेक्ट्स। सब कुछ रॉ और रियल है।

बता दें कि इस वेब सिरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। उनके साथ विवेक ओबरॉय और शिल्पा शेट्टी भी दिखाई देंगे। रोहित शेट्टी ने इस वीडियो को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है-पुराने काम पर वापसी, अब आने वाले दो साल फाड़ देंगे।

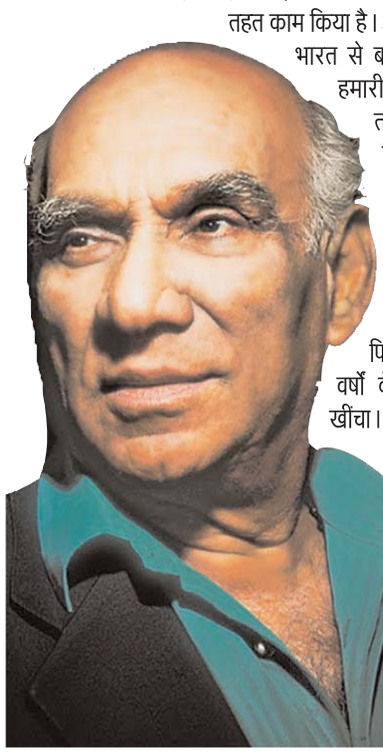

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' की शूटिंग के दौरान जेल गए थे विक्की कौशल

फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप की फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर ने 10 साल पूरे कर लिए हैं। इस गैंगस्टर ड्रामा फिल्म को साल 2012 में दो भागों में रिलीज किया गया था। इस फिल्म ने अनुराग कश्यप को देश के अग्रणी निर्देशकों में से एक के रूप में पहचान दिलाई थी। इस फिल्म में काम कर रहे कई अभिनेताओं ने अपनी दमदार अदाकारी के दम पर दर्शकों का दिल जीता था। फिल्म की दसवीं वर्षगांठ के मौके पर हाल ही में फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप, कपिल शर्मा शो में अभिनेता मनोज बाजपेयी, पीयूष मिश्रा और पंकज त्रिपाठी के साथ शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अभिनेता विक्की कौशल को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया। गैंग्स ऑफ वासेपुर फिल्म ने कई अभिनेताओं को दर्शकों से परिचित कराया था, जो आगे चलकर स्टार बन गए। अभिनेता विक्की कौशल गैंग्स ऑफ वासेपुर के सहायक निदेशक थे। कपिल शर्मा शो में अनुराग कश्यप ने एक किस्सा सुनाते हुए कहा कि फिल्म की शूटिंग के दौरान विक्की कौशल को जेल जाना पड़ा था। अनुराग कश्यप ने बताया कि वासेपुर के दौरान विक्की कौशल एक बार जेल गए थे। दरअसल, हम बिना अनुमति की शूटिंग कर रहे थे। एक बार हम वास्तविक अवैध रेत खनन की शूटिंग कर रहे थे। माफियाओं द्वारा रेत खनन किया जा रहा था और इस दौरान विक्की पकड़ा गया, लेकिन हरामखोर के डायरेक्टर श्लोक शर्मा ने विकी कौशल को वन-अप कर दिया। वह दो बार जेल गए। दरअसल, श्लोक शर्मा वासेपुर में दूसरी इकाई के निर्देशक के रूप में काम कर रहे थे। अनुराग कश्यप खुद भी दो बार जेल जा चुके हैं। अनुराग ने साल 2017 में इंटरव्यू के दौरान इस बात का खुलासा किया था कि वासेपुर में वह दो बार जेल गए थे। दरअसल, वह पटरी के ऐसे शॉर्ट्स शूट करना चाहते थे कि उन्होंने इसके लिए पुल पर कैमरे लगा दिए। इसके बाद इसके लिए उन्हें जेल जाना पड़ा। अगर, उनके पास कैमरा होता तो वह कहां भी शूटिंग करते।

उच्च शिक्षा संस्थानों में स्थिरता जागरूकता

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा

(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति स्थापित करने के लिए उच्च और तकनीकी संस्थानों के स्नातकों को तैयार किया जा रहा है। बहु-विषयक अध्ययन के क्षेत्र में उभरते हुए कार्यक्रम विविध कार्यक्रमों से इनपुट लेकर अध्ययन करने का लचीलापन प्रदान करके बहुत आवश्यक परिवर्तन लाने की प्रक्रिया में हैं।

नई शिक्षा नीति 2020 चेंजमेकर है। तेजी से परिवर्तन के इस क्षण में उच्च और तकनीकी कार्यक्रमों से स्नातक करने वाले छात्रों को स्थिरता की गहरी समझ विकसित करने के लिए तैयार करना महत्वपूर्ण है। अनुसंधान और विकास की दिशा जब दुनिया की मौजूदा समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से की जा रही है, तो इसे भी स्थिरता के आयाम के प्रति संवेदनशील रूप से विकसित किया जाना चाहिए। अनुसंधान के एक क्षेत्र के रूप में स्थायी समाधान प्राप्त करने के लिए वर्तमान प्रभावशीलता को मापने में प्रारंभिक अध्ययन भविष्य के अध्ययन की दिशा की पहचान करने में मदद कर सकता है। आने वाले समय में अधिक से अधिक क्षेत्र उत्पादकता, लाभप्रदता, संसाधनों के इष्टतम उपयोग के साथ-साथ स्थिर आर्थिक और आजीविका पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के माध्यम से नवाचार का मार्ग जो एक अधिक टिकाऊ प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए सक्षम है, समय की आवश्यकता होगी। उच्च और प्रौद्योगिकी संस्थान अब धीरे-धीरे उद्योग की भागीदारी और पहुंच के माध्यम से पाठ्यक्रम में स्थायी अध्ययन के घटक जोड़ रहे हैं। हर दिन के कार्य का अध्ययन और स्थिति को समझने के लिए आस-पड़ोस के भीतर बड़े पैमाने पर समाज के साथ बातचीत

मॉडल विकसित करने के लिए हरित और टिकाऊ तरीकों को अपनाने की दिशा में काम करने जा रहे हैं। हाल ही में पेश किया गया बजट भी हरित प्रौद्योगिकियों के विकास और सरल विकास की संस्कृति को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान केंद्रित करता है।

स्थानीय रूप से उपलब्ध भौतिक संसाधनों, मानव कौशल सेट और एक करना कुछ पहलें हैं जो कक्षा के सीखने से परे जाने के लिए की जा रही हैं। आने वाले समय में हम पेशेवरों का एक पंथ देखेंगे जो न केवल अंतःविषय विज्ञान को अपनाने में सक्षम हैं बल्कि स्थानीय संदर्भों, अर्थव्यवस्थाओं और आजीविका की गहरी समझ के साथ समस्याओं का समाधान करने में भी सक्षम हैं।

आगामी चुनाव में रिमोट वोटिंग मशीन का इस्तेमाल नहीं

केंद्र ने शुक्रवार को लोकसभा को सूचित किया कि देश के आगामी चुनाव में रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (आरवीएम) का उपयोग करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। यह एनआरआई मतदाताओं के उपयोग के लिए भी प्रस्तावित नहीं किया गया है।

लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने लिखित जवाब में कहा कि चुनाव आयोग के अनुसार आगामी चुनावों के लिए आरवीएम पेश करने का प्रस्ताव नहीं है। इस साल कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं और साल 2024 में लोकसभा चुनाव भी होगा। लोक लेखा समिति से सुनिश्चित होती है वित्तीय जवाबदेही : बिरला लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि भारत की लोक लेखा समिति संसद की सबसे पुरानी वित्तीय समिति है। इसकी स्थापना 1921 में हुई थी। लोक लेखा समिति समेत अन्य समितियां कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित कर संसद के एक अति महत्वपूर्ण दायित्व को पूरा करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने यह बात दक्षिण अफ्रीका की संसद की लोक लेखा समिति के सभापति मखुलेको हलेंगुआ के नेतृत्व में एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान कही। उन्होंने कहा कि वित्तीय नियंत्रण एक ऐसा प्रभावी साधन है, जिसके जरिये विधायिका कार्यपालिका पर निगरानी रखती है और इसमें लोक लेखा समिति की अग्रणी भूमिका है। पांच वर्षों में 1.93लाख करोड़ के रक्षा उपकरण किए आयात भारत रक्षा क्षेत्र में खुद को लगातार मजबूत बना रहा है। सरकार ने लोकसभा को बताया है कि भारत ने बीते पांच वर्षों में 1.93 लाख करोड़ रुपये मूल्य के सैन्य उपकरण खरीदे हैं। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने सदन को सूचित किया कि पांच सालों में जिन प्रमुख रक्षा उपकरणों के आयात किए गए हैं, उनमें हेलिकॉप्टर, विमान रडार, रॉकेट, बंदूकें, असॉल्ट राइफलें, मिसाइल और गोला-बारूद शामिल हैं। ये आंकड़े 2017-18 और 2021-22 की अवधि से संबंधित हैं।

मल्होत्रा इंडस्ट्रीज के सनटेक्स ब्रांड के उत्पाद बनी उपभोक्ताओं की पहली पसंद

मुम्बई। मल्होत्रा इंडस्ट्रीज के अंतर्गत आने वाले होम अप्लायंसेस ब्रांड सनटेक्स ने पिछले कुछ सालों में बड़ी तेज़ी के साथ आम लोगों के घरों में अपनी पैठ बनाने में उल्लेखनीय सफलता पाई है.सनटेक्स ब्रांड के प्रबंध निदेशक वरुण मल्होत्रा अपनी कंपनी के लम्बे सफ़र का श्रेय अपने पिता को देते हुए कहते है कि यह पिताजी के 40 साल की मेहनत का ही नतीजा है कि उनकी कंपनी ने आज इतना बड़ा मकाम हासिल किया है. हमारे तमाम उत्पादों की गुणवत्ता को बरकारर रखना और दिनों-दिन उसमें बेहतरी लाना हमारे कारोबार का मूलमंत्र रहा है.

हमारे पिता भी इसी सिद्धांत पर चला करते थे और उत्पाद के निर्माण और बिक्री के मामले में हम तीनों भाई भी उनके इसी कारोबारी मंत्र का पालन करते आ रहे हैं.असीम मल्होत्रा बताते हैं कि उनकी कंपनी B2C के कस्टमरों को सिर्फ़ फ़्लिपकार्ट और एमेज़न पर एंटरटेन करती है और कंपनी B 2 B (बिज़नेस टू बिज़नेस) पर अपना सारा ध्यान केंद्रित करती है. उपभोक्ताओं के लिए कंपनी की ओर से बनाए गये विभिन्न तरह के उत्पाद अमेज़न और फ़्लिपकार्ट पर उपलब्ध हैं जिन्हें बड़े ही आसान तरीके से किफ़ायती दामों में ऑर्डर देकर हासिल किया जा सकता है.

मल्होत्रा इंडस्ट्रीज द्वारा मुख्य रूप से चार ब्रांड्स के उत्पादों का निर्माण किया जाता है जिनमें सनटेक्स, सूर्या ग्रीन फॉर्च्यूनर और सेफफ्लेम शामिल हैं. सेफ फ्लेम की साझेदारी आईओसी और एचपीसीएल के साथ है.आदित्य मल्होत्रा बताते हैं कि देश के लगभग हर राज्य में उनके ब्रांड के उत्पाद बड़ी आसानी से उपलब्ध हैं जिनकी उपभोक्ताओं में भारी मांग है. कंपनी द्वारा बनाए जाने वाले उत्पादों की बिक्री पर फ़ोकस करने वाले वरुण मल्होत्रा कहते हैं कि उत्पादों की क्वालिटी और उपभोक्ताओं के प्रति ब्रांड का कमिटमेंट हम कभी भी नहीं छोड़ेंगे. प्रमोशन और विज्ञापनों के साथ हमारे उत्पादों को 'वायब्रेंट इंडिया' के माध्यम से भी ख़ूब पहचान मिल रही है. ग़ौरतलब है कि सनटेक्स ब्रांड के उत्पादों में पर्यावरणीय रूप से अनुकूल यानी 74% थर्मल एफ़िशियंसी वाले उत्पाद भी शामिल हैं. वरुण मल्होत्रा कहते हैं कि हमारी कंपनी अपने शोध के माध्यम से इस एफ़िशियंशी को बढ़ाकर 78% करने के लिए भी प्रयासरत है. हमारे स्टोर में न्यूनतम 68% फ़ीसदी वाले उत्पाद आसानी से मिल जाएंगे जबकि चीन से आनेवाले ऐसे ही उत्पादों की न्यूनतम एफ़िशियंशी 54% से 55% के बीच ही होती है. आदित्य मल्होत्रा कहते हैं कि कंपनी में तरह-तरह के उत्पादों की प्रोडक्शन और क्वालिटी को मेन्टेन करने पर उनका फोकस होता है जबकि उनके बड़े भाई असीम मल्होत्रा पूरी तरह से मार्केटिंग पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं.

असीम मल्होत्रा, वरुण मल्होत्रा और आदित्य मल्होत्रा तीनों भाई हैं और सनटेक्स ब्रांड के अलग-अलग विभागों को संभालते हुए कंपनी को एक नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं.

दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान को मिला मुंबई अचीवर्स एक्सीलेंस अवार्ड 2023

मुंबई। नरीमनपॉइंट स्थित यशवंतराव चव्हाण सेंटर एडोटोरियम में 24 जनवरी 2023 को मुंबई मित्र/वृत्त मित्र और धड़क कामगार यूनियन के संस्थापक अभिजीत राणे की ओर से एक भव्य पुरस्कार संध्या का आयोजन किया गया था।

बता दें कि इस पुरस्कार का नाम 'मुंबई अचीवर्स एक्सीलेंस अवार्ड 2023' था। अपने-अपने क्षेत्र के दिग्गज हस्तियों को इस दौरान सम्मानित किया गया और शहर की तमाम हस्तियों ने हजारो की संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बता दें इस दौरान दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान को 'मुंबई अचीवर्स एक्सीलेंस अवार्ड 2023' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दिलशाद एस. खान ने इस अवॉर्ड से जुड़े सभी लोगों का तहेदिन से शुक्रिया अदा किया, खास करके धड़क कामगार यूनियन के संस्थापक मेरे बहुत ही प्रिय भाई श्री अभिजीत राणे जी का। दिलशाद एस. खान ने कहा कि यह सम्मान अकेले मेरा नहीं बल्कि आप सबके प्यार और विश्वास का सम्मान है। साथ ही इस दौरान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय एल. दुबे, आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष रामकुमार पाल, नारी सम्मान संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुंदरी ठाकुर, मुस्लिम सेवा संघ के अध्यक्ष फिरोज मासूलदार, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ अर्चना देशमुख, कला संस्कृति फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष शीला शर्मा व सोशल मीडिया इंफ्यूलेंसर सायरा सत्तानी को भी 'मुंबई अचीवर्स एक्सीलेंस अवार्ड 2023' से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में म्यूजिक मनसे वरिष्ठ नेता हाजी सैफ, डायरेक्टर दिलीप सेन, एड. डॉ. शैलेश दुबे, एड. पूनम सिंह, अभिनेत्री ज्योति सिंह, डॉ. स्नेहा, एड. नेहा दुबे, रविंद्र अरोरा, अभिनेत्री मरिबा शर्मा, बी. एन. तिवारी, जयशंकर सिंह, रिन्ही सबरवाल, अरुन गुप्ता, अब्दुल सत्तार, अभिनेत्री आरती नागपाल उपस्थित थे साथ ही सभी को 'मुंबई अचीवर्स एक्सीलेंस अवार्ड 2023' से सम्मानित किया गया।

'सुपर सेफ' ब्रांड के उत्पादों में उपभोक्ताओं में जताया गहरा विश्वास

दिल्ली। होम अप्लायंसेस के क्षेत्र में एक अग्रणी नाम के तौर पर अपनी पहचान कायम रखने वाली कंपनी 'सुपर सेफ' ब्रांड की स्थापना लगभग 40 साल पहले की गयी थी. विभिन्न आकार-प्रकार के कुकिंग गैस से लेकर कुकर, मिक्सर-ग्राउंडर और तमाम तरह के किचन अप्लायंसेस बनाने वाली 'सुपर सेफ' ब्रांड आम गृहणियों में विश्वसनीयता का दूसरा नाम है.दिल्ली में उत्पादित की जाने वाले इन तमाम वस्तुओं की आपूर्ति देशभर में किफायती दामों में की जाती है.'सुपर सेफ ब्रांड' के संस्थापक प्रणव मल्होत्रा कहते हैं कि हमारी साझेदारी एचपीसी और आईओसी जैसी बड़ी और प्रतिष्ठित तेल कंपनियों के साथ है और ऐसे में उनके कड़े मानकों के मुताबिक, हमारे कुकिंग गैस जैसे उत्पादों की गुणवत्ता भी अपने आप ही उम्दा किस्म की होती है. बाज़ार में चाहे जितनी भी प्रतिस्पर्धा रही हो, हमने कभी भी अपने उत्पादों की क्वालिटी से समझौता नहीं किया है, बल्कि हमने अपने मुनाफ़े में कमी लाते हुए हमेशा से ही अपने उत्पादों की गुणवत्ता को दिनों-दिन और बढ़ाया है.वे आगे बताते है उनके तमाम उत्पादों का निर्माण दिल्ली स्थित इकाइयों में होता है और फिर वितरकों के माध्यम से देशभर में उनके उत्पादों का वितरण किया जाता है. उपभोक्ताओं की विश्वसनीयता के चलते ही 'सुपर सेफ' के उत्पाद आम लोगों में इस क़दर लोकप्रिय हैं और पिछले 40 सालों में उनके ब्रांड के उत्पादों की बिक्री और लोकप्रियता में उल्लेखनीय वृध्दि दर्ज की गयी है. प्रणव आगे कहते है कि B2B के सेक्टर में उनके स्टॉकिस्टों, डिस्ट्रिब्यूटरो और रीटेलरों की संख्या बहुत अधिक है और पिछले 4 दशकों में इसमें लगातार वृध्दि देखी गयी है. वे जानकारी देते हुए कहते हैं कि लगभग 18,000 काउंटरों पर हमारे उत्पादों की बिक्री होती है. देश के हरेक राज्य में हमारे उत्पादों के कम से कम दो वितरक मौजूद हैं और हमारा नेटवर्क प्रत्येक वर्ष और भी अधिक मज़बूत होता जा रहा है.अपनी व्यापारिक रणनीति का ख़ुलासा करते हुए करण प्रणव बताते हैं कि वे हरेक राज्य में दो डिस्ट्रिब्यूटरों में इलाकों को बराबर बांट देते हैं और हरेक इलाके में वितरकों को अलग-अलग किस्म के उत्पादों की बिक्री का ज़िम्मा दिया जाता है ताकि दोनों वितरक आपसी होड़ का शिकार ना हों. वे बताते हैं कि इसी रणनीति के चलते उनकी कंपनी और भी तरह-तरह की उत्पादों के निर्माण पर ज़ोर देती रही है और विशेष रणनीति के तहत उनकी बिक्री करती रही है. प्रणब बताते हैं कि हमारी यूएसपी है गैस स्टोव और गैस स्टोव की यूएसपी है उम्दा किस्म की क्वालिटी. उल्लेखनीय है कि हमारे चूल्हे के 80% तक आइटम कंपनी द्वारा घरेलू तौर पर निर्मित किये जाते हैं जिससे हम अपने उत्पादों की गुणवत्ता को बरकरार रखने में कामयाब रहते हैं. हमारे द्वारा बनाये गये चूल्हे कम से कम 15-20 साल तक टिकाऊ साबित होते हैं. हमारी उत्पादों से कस्टमरों को मिलने वाली संतुष्टि ही कंपनी के उत्पादों की विश्वसनीयता ही सबसे बड़ी वजह है. उपभोक्ता द्वारा उनकी कंपनी के कस्टमर केयर नबंरों, ईमेल, वेबाइट्स के माध्यम से उत्पादाओं से जुड़ी शिकायतों का निवारण करते हैं जो कि उपभोक्ताओं के लिए सेवाएं प्राप्त करने के बेहद आसान तरीके हैं.

पंजाबी फिल्म 'हनीमून' ने सिनेमाघरों में किये 100 दिन पूरे.... !

टी-सीरीज़ फिल्म्स, बावेजा स्टूडियो प्रोडक्शन और हनीकॉम्ब पिक्चर्स प्रोडक्शन के बैनर तले भूषण कुमार, हरमन बवेजा, कृष्ण कुमार और विक्की बहरी द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित पंजाबी फिल्म 'हनीमून' ने सिनेमाघरों में 100 दिन पूरे कर लिए। अमरप्रीत जी एस छाबड़ा द्वारा निर्देशित हनीमून एक रोमांटिक-कॉमेडी है, जो एक नवविवाहित जोड़े की कहानी है, जिनकी हनीमून की योजना एक रोलर-कोस्टर राइड में बदल जाती है। गिप्पी ग्रेवाल और जैस्मीन भसीन अभिनीत 'हनीमून' को मिली इस तरह की एक्सप्टेशनल सक्ससे यह दर्शाती है कि कैसे क्षेत्रीय सिनेमा को मुख्यधारा के सिनेमा की तरह ही सिनेदर्शकों द्वारा सराहा जा रहा है। यह एक ऐसी पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है जिसने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है और ऐसी बहुत रेयर रीजनल फिल्में हैं जो मील का पत्थर साबित हुई है। बकौल भूषण कुमार आज के समय में एक फिल्म का 100 दिन पूरा करना आसान नहीं है। 'हनीमून' पंजाबी भाषा की एक ऐसी फिल्म है जिसे देश भर के दर्शकों ने पसंद किया है। इसकी भारी सफलता का एक कारण यह है कि इसमें कॉमेडी, रोमांस और पारिवारिक ड्रामा का सही मिश्रण है। प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

ईडी ने मढ़ स्टूडियो मामले में मनपा से मांगी रिपोर्ट

मुंबई - मढ़, एरांगल और भाटी गांवों में बने अवैध 49 स्टूडियो की जांच करने मनपा आयुक्त इक़बाल सिंह चहल ने कमेटी बनाई थी। कमेटी की 5 हजार पन्नो की रिपोर्ट मनपा आयुक्त इक़बाल सिंह चहल को सौपी गई। रिपोर्ट सौप कर कई महीने बीत गए लेकिन अभी तक कोई खुलासा नहीं हुआ। ईडी ने मनपा आयुक्त से जांच कमेटी की रिपोर्ट मांगी है। ईडी ने कहा कि वह मनी लॉन्ड्रिंग और फेमा एक्ट के तहत रिपोर्ट मंगाई है। ईडी द्वारा रिपोर्ट मांगे जाने से अब कई नेताओं के पैरों तले जमीन खिसक गई है। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने मढ़ मारवे में अवैध स्टूडियो पर 1000 करोड़ का घोटाला होने का आरोप लगाया था. मलाड स्थित मढ़ मार्वे एरांगल और भाटी में बनाए गए 49 स्टूडियो के अवैध होने की शिकायत सुमैया ने मनपा आयुक्त के पास की थी और मनपा पी-नॉर्थ वार्ड को भी की थी। शिकायत के बाद मनपा आयुक्त ने उपायुक्त काले की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित की थी। कमेटी ने अक्टूबर 2022 में 5 हजार पन्नो की रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल को सौपी गई थी। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने मनपा पी-नॉर्थ वार्ड में शिकायत की थी कि मढ़, मारवे एरांगल और भाटी में बनाए गए 49 स्टूडियो अवैध हैं.. उपायुक्त काले ने जांच में 43 लोगों की गवाही दर्ज कर रिपोर्ट तैयार की है। बता दे कि मलाड के मढ़ मारवे और एरांगल सहित भाटी गांव में वर्ष 2021 और 2022 के दौरान एनडीजेड और सीआरजेड के उल्लंघन कर 49 अनधिकृत स्टूडियो खड़े किए गए। मनपा पी नार्थ वार्ड ने मिलेनियल्स और एक्सप्रेशन स्टूडियो के खिलाफ कार्रवाई भी की। इन स्टूडियो को अस्थाई शेड और सेट बनाने की अनुमति दी गई थी. जिसकी वैधता खत्म भी हो गई थी इसके बावजूद स्टूडियो खड़े थे।

बाल विवाह पर असम में 2044 की हुई गिरफ्तारी, गिरफ्तार लोगों में 52 काजी और पुरोहित

असम के पुलिस महानिदेशक जेपी सिंह ने कहा, पिछले 15 दिन में राज्य में 4,004 से अधिक केस दर्ज किए गए हैं। डीजीपी के मुताबिक सीएम को बाल विवाह से संबंधित जानकारियां मिली थीं।

असम पुलिस ने बाल विवाह के खिलाफ व्यापक मुहिम चलाते हुए शुक्रवार को 2,044 लोगों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने यहां एक कार्यक्रम से इतर बताया कि राज्यभर में शुक्रवार सुबह से मुहिम शुरू की गई और यह अगले तीन से चार दिन तक जारी रहेगी। राज्य मंत्रिमंडल ने 23 जनवरी को यह फैसला किया था कि बाल विवाह के दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा और व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। असम के पुलिस महानिदेशक जेपी सिंह ने कहा, पिछले 15 दिन में राज्य में 4,004 से अधिक केस दर्ज किए गए हैं। डीजीपी के मुताबिक सीएम को बाल विवाह से संबंधित जानकारियां मिली थीं। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को मामले की जांच करने और दोषियों को गिरफ्तार करने का निर्देश जारी किया था। शर्मा ने राज्यव्यापी पुलिस कार्रवाई पर पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह की मौजूदगी में सभी पुलिस अधीक्षकों (एसपी) के साथ ऑनलाइन

बैठक की। उन्होंने लोगों से 'इस कुरीति से मुक्ति' के लिए सहयोग एवं समर्थन की अपील की। विवाह को घोषित किया जाएगा अवैध सीएम सरमा ने कहा था 14 साल से कम उम्र की लड़कियों से विवाह करने वालों के खिलाफ यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत मामला दर्ज किया जाएगा और 14-18 साल की लड़कियों से विवाह करने वालों के खिलाफ बाल विवाह रोकथाम अधिनियम, 2006 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा और विवाह को अवैध घोषित किया जाएगा। अगर लड़के की उम्र भी 14 साल से कम होगी तो उसे सुधार गृह भेजा जाएगा।

गिरफ्तार लोगों में 52 काजी और पुरोहित डीजीपी सिंह ने कहा, अब तक चलाए गए अभियान में शादी कराने वाले लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 52 काजी और पुरोहित हैं। उनके मुताबिक सबसे अधिक गिरफ्तारियां धुबड़ी, बरपेटा, कोकराझार और विश्वनाथ जिलों में हुई है। अब तक सबसे अधिक 136 गिरफ्तारियां धुबड़ी से हुई हैं, जहां सबसे अधिक 370 मामले दर्ज हुए हैं। इसके बाद बरपेटा में 110 और नगांव में 100 गिरफ्तारियां हुई हैं।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी, कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा को लेकर की यह अपील

भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाने की अपील की है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ट्वीट करके इसके बारे में जानकारी दी है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि 'प्रधानमंत्री जी, भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कश्मीरी पंडितों के प्रतिनिधिमंडल ने मुझसे मिलकर अपने दुखद हालात बताए। आतंकियों की टारगेटेड किलिंग के शिकार कश्मीरी पंडितों को बिना सुरक्षा गारंटी घाटी में जाने के लिए विवश करना निर्दयी कदम है। आशा है, आप इस विषय में उचित कदम उठाएंगे।' 'घाटी में भय और निराशा का माहौल' इस ट्वीट के साथ ही उन्होंने चिट्ठी को भी शेयर किया है। कांग्रेस नेता द्वारा शेयर की गई चिट्ठी दो फरवरी की है। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ध्यान कश्मीर घाटी से विस्थापित कश्मीरी पंडित समुदाय की ओर आकृष्ट कराया है। उन्होंने लिखा कि हाल के दिनों में घाटी में आतंकियों द्वारा की गई कश्मीरी पंडितों और अन्य लोगों की हत्या के कारण भय और निराशा का माहौल बन गया है।

अपनी चिट्ठी में कांग्रेस नेता ने लिखा कि 'पूरे भारत को प्रेम और एकता के सूत्र में पिरोने के लिए जारी भारत जोड़ो यात्रा के जम्मू पड़ाव में कश्मीरी पंडितों का एक प्रतिनिधि मंडल अपनी समस्याओं को लेकर मुझसे मिला। उन्होंने बताया कि सरकार के अधिकारी उन्हें कश्मीर घाटी वापस काम पर जाने के लिए मजबूर कर रहे हैं।' पीएम मोदी को दी यह सलाह राहुल गांधी ने आगे लिखा है कि इन हालातों में सुरक्षा और सलामती की पक्की गारंटी के बिना उन्हें घाटी में काम पर जाने के लिए मजबूर करना एक निर्दयी कदम है। कांग्रेस नेता ने अपील करते हुए लिखा कि हालात के सुधरने और सामान्य होने तक सरकार इन कश्मीरी पंडित कर्मचारियों से अन्य प्रशासकीय व जनसुविधा के कार्यों में सेवाएं ले सकती है। उपराज्यपाल पर लगाए आरोप उन्होंने आगे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा पर आरोप लगाते हुए लिखा कि 'अपनी सुरक्षा और परिवार की चिंताओं को लेकर गुहार लगा रहे कश्मीरी पंडितों को आज जब सरकार से हमदर्दी और अपनेपन की उम्मीद है तब उप-राज्यपाल जी द्वारा उनके लिए 'भिखारी' जैसे शब्दों का प्रयोग गैर-जिम्मेदाराना है।' इस मुद्दे पर पीएम मोदी से कार्रवाई की अपील करते हुए उन्होंने लिखा कि 'मैंने कश्मीरी पंडित भाइयों-बहनों को भरोसा दिया है कि उनकी चिंताओं व मांगों को आप तक पहुंचाने का पूरा प्रयास करूंगा। मुझे उम्मीद है कि यह सूचना मिलते ही आप इस बारे में उचित कदम उठाएंगे।'

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।